Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 306 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 29 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हमें पर द्रव्य को नहीं आत्म द्रव्य को मुख्य बनाना चाहिये।

Let's us concentrate mainly on substance of self instead of other substance.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

असम पुलिस ने किए 171 फर्जी एनकाउंटर, सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। असम पुलिस पर लगे 171 कथित फर्जी एनकाउंटर के मामलों पर देश की शीर्ष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इस मामले को गंभीर मानते हुए निष्पक्ष और गहन जांच के आदेश दिए हैं। अदालत ने असम मानवाधिकार आयोग को निर्देश दिया कि वह पीड़ित परिवारों से संपर्क के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी करे। कोर्ट ने कहा, यह आरोप कि कुछ घटनाएं फर्जी एनकाउंटर हो सकती हैं, यह बेहद गंभीर हैं और अगर साबित हो जाता है तो ये संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का उल्लंघन माने जाएंगे।

पंजाब समेत चार राज्यों में आज होगी मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुरुवार शाम कई राज्यों में मॉक ड्रिल होगी। इनमें जम्मू-कश्मीर, गुजरात, पंजाब और राजस्थान शामिल हैं। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। इन 4 राज्यों की सीमा ही पाकिस्तान से लगती है। भारत और पाकिस्तान के बीच 3,300 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा है। जम्मू-कश्मीर से लगने वाली सीमा को नियंत्रण रेखा यानी LoC कहा जाता है, जबकि, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से लगनी वाली सीमा अंतर्राष्ट्रीय सीमा (IB) कहलाती है। मॉक ड्रिल का लक्ष्य जंग के हालातों में नागरिकों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाने के बारे में होता है। ऐसे समय में खुद को कैसे संभाला जाए पैनिक ना हुआ जाए ये भी समझाया जाएगा।

एनडीए सरकार एनटी रामाराव गारू के विजन को पूरा कर रही : पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एनटी रामाराव को उनकी जयंती पर श्रद्धांजिल अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मैं एनटीआर गारू (महोदय) को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। समाज की सेवा करने और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के उनके प्रयासों के लिए उन्हें व्यापक रूप से सराहा जाता है। उनके सिनेमाई काम भी दर्शकों को रोमांचित करते रहते हैं। हम सभी उनसे बहुत प्रेरित हैं। मेरे मित्र चंद्रबाबू नायडू गारू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार एनटीआर के विजन को पूरा करने के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री की चौपाल : कांकेर जिले के मांदरी गांव में उतरा मुख्यमंत्री साय का उड़नखटोला

ग्रामीणों से आत्मीयता के साथ किया संवाद, हितग्राहियों से की चर्चा, मुख्यमंत्री साय ने 3.90 करोड़ की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के अंतिम चरण के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हेलीकॉप्टर कांकेर (उत्तर बस्तर) जिले के ग्राम मांदरी में उतरा। उन्होंने पंचायत शेड के नीचे अपनी चौपाल लगाई और ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं पर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीणों की मांग पर मांदरी में हाई स्कूल बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 20 लाख की स्वीकृति, मांदरी आंगनबाड़ी केंद्र भवन में बाउंड्रीवाल के लिए 5 लाख की स्वीकृति, साल्हेभांट मुख्य मार्ग से टीरउ सलाम के घर तक सीसी सड़क निर्माण 600 मीटर हेतु 15 लाख की स्वीकृति, झुरा नाला से खेतों में सिंचाई के लिए लाइन विस्तार हेतु 3.50 करोड़ की स्वीकृति की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि हमने बीते डेढ़ वर्षों में जनता के हित में कार्य किया है। सुशासन तिहार हमारा रिपोर्ट कार्ड भी है और सरकार द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन करने का अवसर भी। इसके माध्यम से हम जनकल्याणकारी योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की स्थिति जान रहे हैं। हमारे अलावा मंत्री, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी सुशासन तिहार में शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने शपथ लेते ही प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के तहत कैबिनेट में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जरूरतमंदों को आवास मिलेगा, 'आवास प्लस' में जिनका नाम है, उन्हें भी आवास दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 70 लाख से अधिक महिलाओं को 'महतारी वंदन योजना' की राशि सीधे उनके खातों में देकर आर्थिक समृद्धि और महिला सशक्तिकरण का द्वार खोला गया है। जो लाभार्थी अभी वंचित हैं, उन्हें भी जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 24 अप्रैल से ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र शुरू किए गए हैं। इससे ग्रामीणों को गांव में ही बैंकिंग व अन्य सेवाओं की सुविधा मिलेगी। अभी यह सेवा 1460 पंचायतों में शुरू की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार तकनीक के उपयोग से भ्रष्टाचार के सभी रास्ते बंद कर रही है। पंजीयन की नई प्रक्रिया से रजिस्ट्री के साथ नामांतरण की प्रक्रिया को सरल किया गया है।

ग्राम मांदरी में अचानक पहुंचे मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से छत्तीसगढ़ी में संवाद किया। मुख्यमंत्री ने बिजली व्यवस्था, राशन वितरण और महतारी वंदन योजना की राशि के संबंध में हितग्राहियों से जानकारी ली। इस अवसर पर हितग्राही इतवारिन आचला ने बताया कि महतारी वंदन योजना की प्राप्त राशि का बेटी के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाकर राशि जमा कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है, और जनकल्याण ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव ने कार्यक्रम में युवाओं प्रतियोगिता परीक्षा के तैयारी हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयार की पुस्तक नई दिशा का विमोचन कर युवाओं को वितरित किया। साथ ही विभिन्न विभागों के जन कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री, आवास की चाबी, ट्राई साइकिल आदि वितरित की।

बच्चों से आत्मीयता से मिले, आंगनबाड़ी का लिया जायजा

सुशासन तिहार के तहत् मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय हेलीकॉप्टर से आज अचानक कांकेर जिले के मांदरी गांव पहुंचे। हेलीपेड से गांव के रास्ते पर आँगनबाड़ी भवन देखकर मुख्यमंत्री केंद्र के बच्चों से मिलने और वहां की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे। आँगनबाड़ी केंद्र में बच्चों ने मुख्यमंत्री का स्थानीय फूलों से तैयार किया गया गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बड़ी आत्मीयता के साथ बच्चों से घुल-मिल कर बातचीत की और उनसे आंगनबाड़ी और उनके अक्षर ज्ञान की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के पूछने पर बच्चों ने धारा-प्रवाह कविता सुनाई। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से बच्चों को चाकलेट वितरित कर उन्हें दुलार किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से आँगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं और भोजन व्यवस्था की जानकारी भी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मोदी सरकार ने किसानों को दिया तोहफा, खरीफ की 14 फसलों की एमएसपी 50 प्रतिशत बढ़ाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने आज 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने बीते 10 साल में लगातार एमएसपी में बढ़ोतरी की है और हालिया फैसले से 7 करोड़ से अधिक किसानों को फायदा होगा। दालों में अरहर का समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि उड़द का एमएसपी 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का एमएसपी 86 रुपये बढ़ाकर 8768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सरकार ने बुधवार को संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को 2025-26 के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी, जिसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सस्ती दर पर अल्पकालिक ऋण मिलता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमआईएसएस को जारी रखने का निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया। इस योजना को जारी रखने से सरकारी खजाने पर 15,640 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। एमआईएसएस के तहत, किसानों को केसीसी के माध्यम से 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 3 लाख रुपये तक का अल्पकालिक ऋण मिलता है, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में 3 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र होते हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से 4 प्रतिशत तक कम हो जाती है। परियोजना की लागत 3,653 करोड़। BOT मॉडल पर विकसित किया जाएगा, रियायत अवधि 20 वर्ष। वर्धा-बल्लारशाह रेल लाइन विस्तार। महाराष्ट्र में वर्धा से बल्लारशाह रेल मार्ग को दोहरीकरण की मंजूरी।

रतलाम-नागदा रेल परियोजना

रतलाम-नागदा रेलवे लाइन पर चौथी लाइन बिछाने को मंजूरी- परियोजना की लागत 1,018 करोड़ रुपए। मध्य प्रदेश के रतलाम से नागदा तक 41 किलोमीटर लंबे रेलखंड को चार लाइन में बदला जाएगा। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने भारतीय रेलवे में लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। ताकि यात्रियों और माल दोनों का निर्बाध और तेज परिवहन सुनिश्चित किया जा सके। रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन औऱ वर्धा- बल्हारशाह चौथी लाइन को मंजूरी मिली है। परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपये (लगभग) है और इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा।

बडवेल नेल्लोर फोर-लेन हाईवे को मंजूरी

यह हाईवे बडवेल-गोपरावम गांव (NH-67) से लेकर गुरुविंदापुडी (NH-16) तक बनेगा। इसकी कुल लंबाई- 108.134 किलोमीटर होगी। इस फोर लेन बनाने की कुल अनुमानित लागत- 3653.10 करोड़ रुपये आंकी गई है। बडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर आंध्र प्रदेश के तीन प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोरों से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। यह कॉरिडोर कृष्णपट्टनम पोर्ट तक की यात्रा दूरी को 142 किमी से घटाकर 108.13 किमी कर देगा। परियोजना के माध्यम से लगभग 20 लाख मानव-दिनों का प्रत्यक्ष रोजगार और 23 लाख मानव-दिनों का अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज से 4 राज्यों में तूफानी दौरा

कई विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात, जनसभा भी करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 और 30 मई को सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी सबसे पहले 'सिक्किम@50 : जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को पोषित करती है' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल दौरे पर सिटी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। वहीं, बिहार दौरे पर 48,520 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और यूपी दौरे पर लगभग 20,900 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

29 मई को प्रधानमंत्री मोदी सिक्किम का दौरा करेंगे, जहां वे सुबह करीब 11 बजे सिक्किम के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सिक्किम@50 : जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को पोषित करती है' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। सिक्किम सरकार ने सुनाउलो, समृद्ध और समर्थ सिक्किम थीम के तहत पूरे साल चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला की योजना बनाई है, जो सिक्किम की सांस्कृतिक समृद्धि, परंपरा, प्राकृतिक सुंदरता और इतिहास को दर्शाती है।

पीएम मोदी सिक्किम में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। इनमें नमची जिले में 750 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाला 500 बिस्तरों का नया जिला अस्पताल, गंगटोक जिले के संगखोला में अटल अमृत उद्यान में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

देश में कोरोना वायरस के बढ़े केस, अब तक 12 मौतें दर्ज, 1083 एक्टिव केस, चिंता बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस एक बार फिर देश में दस्तक दे चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, देश में एक्टिव केसों की संख्या 1083 हो गई है। बीते कुछ दिनों में कई राज्यों में संक्रमण के नए मामले सामने आए हैं, और अब तक कुल 12 मौतें दर्ज हो चुकी हैं। केरल, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से संक्रमण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

कोरोना के मौजूदा मामलों में केरल सबसे आगे है, जहां 430 मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं, कर्नाटक में मंगलवार को 36 नए केस मिले, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए केस दर्ज हुए। गुजरात से राहत की खबर यह रही कि यहां 13 मरीज रिकवर हो गए।

अब तक अपेक्षाकृत सुरक्षित रहे नॉर्थ-ईस्ट में भी संक्रमण की आहट सुनाई देने लगी है। अरुणाचल प्रदेश में दो महिलाओं की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इनमें से एक को हल्का बुखार और खांसी है, जबकि दूसरी महिला पूरी तरह असिंप्टोमैटिक है। विशेषज्ञ इसे खतरनाक संकेत मान रहे हैं।

फिरोजाबाद (यूपी) में मंगलवार को 78 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से हुई पहली मौत है। बुजुर्ग पहले से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नया वैरिएंट बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के लिए ज़्यादा घातक साबित हो सकता है।

राजस्थान-महाराष्ट्र में भी जानलेवा साबित हो रहा कोरोना- 26 मई को जयपुर में दो मरीजों की जान गई। इनमें से एक व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर मृत मिला, जिसकी रिपोर्ट बाद में पॉजिटिव आई। दूसरा मरीज 26 साल का युवक था, जो पहले से टीबी से ग्रसित था और एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहा था। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से भी दो मौतों की खबर है। एक महिला और 21 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हुई है। कर्नाटक में 84 साल के बुजुर्ग की मल्टी ऑर्गन फेल्योर के चलते जान गई थी, जिसकी रिपोर्ट बाद में पॉजिटिव निकली।

नए वैरिएंट्स का खतरा- भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट्स मिले हैं- LF.7, XFG, JN.1 और NB.1.8.1। ICMR के अनुसार ये वैरिएंट दक्षिण और पश्चिम भारत में ज़्यादा पाए गए हैं। हालाँकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इन्हें गंभीर श्रेणी में नहीं रखा है, परंतु इन्हें 'निगरानी में रखे जाने वाले' वैरिएंट्स की श्रेणी में डाला गया है।

राज्यपाल रमेन डेका ने किया गौशाला का लोकार्पण

महिला स्व सहायता समूह के सदस्यों से की चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कांकेर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में गौशाला का लोकार्पण किया और महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवों से आए स्व सहायता समूह की महिलाओं ने अपने समूह के कार्यों और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने महिला समूहों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में महिलाएं अच्छा कार्य कर रही हैं। इसी तरह मेहनत से कार्य करें और आगे बढ़ें। उन्होंने बकरी पालन को लाभकारी बताते हुए इस कार्य को बढ़ावा देने की बात कही। इस अवसर पर कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

सशस्त्र बलों में संयुक्तता बढ़ावा देने के लिए नियम अधिसूचित किए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने इंटर-सर्विसेज ऑर्गेनाइजेशंस (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम 2023 के तहत बनाए गए नियमों को अधिसूचित कर दिया है। ये नियम 27 मई 2025 से प्रभाव में आ गए हैं। इस अहम कदम का उद्देश्य सशस्त्र बलों के विभिन्न अंगों (थलसेना, वायुसेना व नौसेना) के बीच बेहतर तालमेल, कमांड दक्षता और अनुशासन को सुनिश्चित करना है।

इससे तीनों सैन्य बलों थलसेना, वायुसेना व नौसेना के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। साथ ही तीनों सैन्य बल अधिक कुशलता से विभिन्न ऑपरेशन को अंजाम देंगे। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीनों सशस्त्र बलों के बीच बेहतरीन समन्वय देखने को मिला था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह अधिनियम संसद के मानसून सत्र 2023 के दौरान दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था और 15 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद लागू हुआ।

अधिसूचना के अनुसार, यह अधिनियम 10 मई 2024 से प्रभाव में आया। बाद में, 27 दिसंबर 2024 को गजट अधिसूचना संख्या एसआरओ 72 के माध्यम से इंटर-सर्विसेज ऑर्गेनाइजेशंस (आईएसओ) को अधिसूचित किया गया।

मणिपुर में बीजेपी ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, राज्यपाल से मिले विधायक

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर यह है कि मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इन विधायकों में 8 भाजपा, ह्क्क्क और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया कि इनके पास 22 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल से मिलने के बाद विधायक राधेश्याम ने कहा, 'हमारे पास 44 विधायकों का समर्थन है और सभी भाजपा विधायक जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। हम राज्यपाल से हमारे बहुमत पर विचार करने और त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। राज्यपाल से दावे की समीक्षा करने और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार निर्णय लेने की उम्मीद है।'

विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना साकार करने सभी अधिकारी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता से करें कार्य : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने बालोद, नारायणपुर एवं कांकेर जिले के अधिकारियों की बैठक ली

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सुशासन तिहार के अंतर्गत संयुक्त जिला कार्यालय, बालोद के सभाकक्ष में बालोद, नारायणपुर एवं कांकेर जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का सतत निरीक्षण एवं अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की वास्तविक प्रगति का मूल्यांकन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आम जनता से प्राप्त सकारात्मक फीडबैक इस बात का प्रमाण है कि बीते डेढ़ वर्षों में राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्वच्छता के प्रति विशेष रूचि लेकर कार्य करें एवं सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त स्वच्छता संबंधी आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत मिशन का सकारात्मक प्रभाव प्रदेशभर में परिलक्षित हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से दौरा कर निर्माण एवं विकास कार्यो का मौका मुआयना करने के साथ ही जनसमस्याओं का त्वरित निदान का काम करें। मुख्यमंत्री ने फसल चक्र को अपनाने हेतु किसानों को प्रेरित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने बालोद जिले में गन्ना तथा कांकेर एवं नारायणपुर जिलों में दलहन-तिलहन फसलों को प्रोत्साहित करने हेतु आवश्यक रणनीति बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने राजस्व मामलों के निराकरण पर जोर देते हुए कहा कि अनावश्यक विलंब से जनता में असंतोष उत्पन्न होता है। उन्होंने जिला एवं तहसील स्तर पर नियमित रूप से राजस्व न्यायालय की तिथि सुनिश्चित करने तथा सभी लंबित मामलों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। राजस्व अधिकारियों को बरसात से पहले सीमांकन कार्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने आजीविकामूलक गतिविधियों को बढ़ावा देने, ड्रोन दीदी कार्यक्रम पर विशेष ध्यान केंद्रित करने एवं अधोसंरचना विकास कार्यों को गुणवत्ता एवं समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री, कई राज्यों में भारी वर्षा का अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। जिस मानसून का इंतजार था उसकी एंट्री हो गई है और लोगों को गर्मी से राहत मिलती दिख रही है। देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। आज छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बारिश शुरू हुई। छत्तीसगढ़ में मई में होने वाली सामान्य बारिश से करीब 6 गुना ज्यादा है। सामान्य तौर पर मई में 430 से 450 द्वद्व तक ही बरसात होती है। महाराष्ट्र में मानसून की दस्तक के साथ ही कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, मई महीने में अहिल्या नगर में लोगों को घरों से रेस्क्यू किया गया। मौसम विभाग ने वर्ष 2025 में औसत से 106 प्रतिशत अधिक बारिश का अनुमान जताया है। जून महीने में 108त्न बारिश हो सकती है। मुंबई में बुधवार को जमकर बारिश हो रही है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, गुरुवार 29 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

फिटनेस एंड मार्शल आर्ट्स स्कूल की शानदार उपलब्धि

कोरबा (विश्व परिवार)। 12वीं सीनियर स्टेट किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप एवं नेशनल सेलेक्शन ट्रायल 2025, कोरबा में 26 एवं 27 मई 2025 को आयोजित, में हमारे 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया और सभी ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। **स्वर्ण पदक विजेता**- सत्यम साहू (K1 -71 किग्रा), मदन सिंह नेताम (LK +91 किग्रा), रचित शर्मा (LK -71 किग्रा), गुलशन सोनी (चरु -81 किग्रा), हरिओम (KL -74 किग्रा)। **रजत पदक विजेता**- राजकुमार (K1 -51 किग्रा), सुमन डेवांगन (KL -55 किग्रा), प्रत्मेश (K1 -57 किग्रा), धैर्य्य पटेल (K1 -67 किग्रा)। कोच सत्यम साहू के मार्गदर्शन में इन खिलाड़ियों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा दिखाई। हम इन सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

पत्रकारिता प्रशिक्षण में डॉ.चित्तरंजन कर का व्याख्यान सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। शास शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय बिलाईगढ़ में आयोजित दस दिवसीय पत्रकारिता प्रशिक्षण शिविर में पंडित रविशंकर शुक्ल वि वि रायपुर के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ चित्तरंजन कर का प्रभावशील रूप में व्याख्यान संपन्न हुआ। छात्र छात्राओं के बीच अपने व्याख्यान में डॉ कर ने कहा कि पत्रकारिता, जनसामान्य के लिए होती है इसलिए सही खबर को सरल भाषा में प्रस्तुत करना पत्रकार का दायित्व है।वैश्वीकरण के इस युग में कोई भी व्यक्ति एक भाषा को जानकर उन्नति नहीं कर सकता। विश्व की सभी भाषाएं महत्वपूर्ण है, कोई भी बुरी नहीं है।भाषा की मिलावट से हमे घबराना नहीं चाहिए क्योंकि यह युग की मांग है। भाषा धीरे धीरे स्वभाव और व्यक्तित्व बन जाती है। डॉ चित्तरंजन कर ने समाचार पत्र को सुरक्षा कवच बतलाते हुए प्रकाश से ज्ञानार्जन के लिए प्रतिदिन पढ़ना चाहिए। कोई छोटी सी खबर समाज और देश में आग लगा सकती है, इसलिए पत्रकार और संवाददाता को हमेश सावधान रहना चाहिए। प्राचार्य डॉ उमाकांत मिश्र के आग्रह पर उन्होंने कैसा है पुरखों का घर लिख भेजिए तथा जब से छूटा गांव गांव को भुला, कभी नहीं गीत का स्वर गायन किया। उनकी पत्नी माधुरी कर ने अपनी कविता पाठ से बेटा बेटी में समानता का संदेश दिया। हिंदी विभागाध्यक्ष सुनीता विक्रम कोशले ने आभार व्यक्त करते हुए सर के व्याख्यान को अति उपयोगी बतलाया।श्री रेशम चौहान, जनभागीदारी शिक्षक ने कर सर का परिचय देते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ का सरताज बतलाया।शोधछात्र सुजीत कुमार, हेमचंद वि वि, दुर्ग ने इस शिविर को बहुत सार्थक बतलाया।छात्र योगेश और काम्या ने सर से कई प्रश्न पूछे। प्रशिक्षण में शासकीय महाविद्यालय बिलाईगढ़, कसडोल और भटगांव के एम ए हिंदी के छात्र छात्रा 55की संख्या में उपस्थित हो रहे हैं।

अतिक्रमण हटाने 76 लोगों को 72 घंटे का अल्टीमेंट

रिसाली (विश्व परिवार)। प्रगति नगर मुख्य मार्ग से अतिक्रमण हटाने निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने 72 घंटे का अल्टीमेंटम दिया है। अंतिम नोटिस कुल 76 लोगों को जारी किया गया। स्वत: नहीं हटाने पर निगम के अधिकारी बुलडोजर चलाऐंगे। इस कार्य में होने वाले खर्च को अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रगति नगर मुख्य मार्ग शुरूआती से अतिक्रमण की चपेट में है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नक्शे में सड़क की चैड़ाई 60 फीट है, किन्तु कही-कही सड़क 30 फीट या फिर 40 फीट में सिमट गई है। आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर अतत: नगर पालिक निगम रिसाली के तोड़ फोड़ विभाग के प्रभारी दुर्गेश गुप्ता ने अल्टीमेंटम अवधि समाप्त होने के बाद अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया है। राजस्व विभाग ने कुल 76 लोगों को नोटिस जारी किया है।

पेयजल संकट का समाधान : ब्राम्हणपारा वार्ड में विधायक सुनील सोनी ने पाईप लाईन विस्तार कर किया भूमिपूजन

गर्मी के साथ बारिश की भी तैयारी करें, बार-बार किये जाने वाले ग ो पर दक्षिण विधायक ने गहन नाराजगी व्यक्त की

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर दक्षिण विधायकसुनील सोनी और रायपुर महापौर मीनल चौबे ने राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र जोन 4 के तहत ब्राम्हणपारा वार्ड के पेयजल संकट से ग्रस्त क्षेत्र में पेयजल संकट का समाधान करने ईदगाह भाठा टंकी से ब्राम्हणपारा वार्ड के सारथी चौक तक पाईप लाईन विस्तार का कार्य लगभग 38 लाख रू. की स्वीकृत लागत से करवाने कार्य का श्रीफल फोडकर और कुदाल चलाकर जलकार्य विभाग अध्यक्ष संतोषी सीमा साहू, एमआईसी सदस्य सरिता आकाश दुबे, श्री अमर गिदवानी, जोन 4 अध्यक्ष श्री मुरली शर्मा, वार्ड पार्षद श्री अजय साहू, पूर्व पार्षद प्रेम बिरनानी, मंडल अध्यक्ष संतोष सोनी, विनय ओझा, राजू बिरनानी, प्रवीण देवडा, नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव, नगर निगम जल कार्य विभाग, जोन 4 अधिकारियों सहित वार्ड की रहवासी आमजनता की उपस्थिति के मध्य किया।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी और महापौर मीनल चौबे ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल ब्राम्हणपारा वार्ड में पाईप लाईन विस्तार का कार्य इसे ईदगाह भाठा टंकी से जोडने का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिये ताकि ब्राम्हणपारा वार्ड क्षेत्र की रहवासी जनता को पेयजल संकट से राहत प्राप्त हो और पेयजल समस्या का त्वरित समाधान हो सके।

विधायक सुनील सोनी ने इस अवसर पर अधिकारियों और ठेकेदारो को वर्तमान में गर्मी के साथ आने वाली बारिश की भी तैयारी करने के निर्देश दिये। उन्होने बार बार किये जाने वाले गड्ढो को लेकर अधिकारियों के समक्ष अपनी गहन नाराजगी व्यक्त की। उन्होने कहा कि लगभग 2 माह पूर्व ब्राम्हणपारा वार्ड में पेयजल समस्या के उनके संज्ञान में आने के बाद उन्होने इस हेतु समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को पेयजल समस्या के ब्राम्हणपारा वार्ड में शीघ्र निदान के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

1 से 7 जून तक मनाया जायेगा 'चावल उत्सव'

राशनकार्डधारी परिवारों को एकमुश्त मिलेगा तीन माह का चावल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में आगामी 01 से 07 जून 2025 तक 'चावल उत्सव' आयोजित किया जाएगा। इस उत्सव के दौरान प्रदेश के 81 लाख से अधिक राशनकार्डधारी परिवारों को जून, जुलाई एवं अगस्त-तीनों माह का चावल एकमुश्त वितरित किया जाएगा।

राज्य शासन ने इस उद्देश्य से प्रदेश की 13, 928 उचित मूल्य दुकानों को चावल का आबंटन जारी कर दिया है। सभी दुकानों में चावल का भण्डारण कार्य तेजी से जारी है ताकि वितरण में किसी प्रकार की बाधा न आए। इस पहल से दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों तक समय पर खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। राज्य खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 1 जून से 7 जून तक चावल उत्सव के दौरान सभी उचित मूल्य दुकानों से चावल का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर दुकानों में वितरण संबंधित जानकारी का प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि चावल वितरण की सूचना स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रचार माध्यमों से व्यापक रूप से प्रसारित की जाए, जिससे प्रत्येक लाभार्थी तक यह जानकारी सुगमता से पहुंचे और वितरण पारदर्शी रहे।

खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज 28 मई को 'चावल उत्सव' की तैयारी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों, खाद्य अधिकारियों एवं नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि प्रत्येक उचित मूल्य दुकान में समय से पूर्व चावल का समुचित भण्डारण सुनिश्चित किया जाए। चावल का वितरण दुकान स्तर की निगरानी समिति की उपस्थिति में हो, और प्रत्येक लाभार्थी को ई-पॉस मशीन द्वारा बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण के पश्चात ही चावल प्राप्त हो। साथ ही लाभार्थियों को वितरित चावल की पावती रसीद अनिवार्य रूप से दी जाए।

खाद्य सचिव श्रीमती कंगाले ने कहा कि इस समग्र प्रक्रिया का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और लाभार्थी की सुविधा को सुनिश्चित करना है। विभाग द्वारा तकनीक का प्रभावी उपयोग भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मानसून के दौरान प्रदेश की 249 ऐसे उचित मूल्य दुकानें, जो वर्षा ऋतु में पहुंचविहीन हो जाती हैं, उनके लिए भी विशेष तैयारी की गई है। जून माह में ही इन दुकानों में अग्रिम चावल भण्डारण की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वर्षाकाल में भी राशन वितरण अविरत जारी रह सके।

महापौर ने एमआईसी सदस्यों के साथ पहुँची कर्मचारी के घर, उपादान की राशि का चेक प्रदान किया

महापौर व टीम का जताया आभार

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, वित्त व लेखा विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे, लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, बाज़र व राजस्व प्रभारी शेखर चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल, श्रीमती ममता सेन के साथ मंगलवार शाम को सेवानिवृत्त कर्मियों श्रीमती कचरा बाई सोनी भृत्य को (चार लाख रुपये) का राशि चेक और ठाकुर राम यादव, सहायक राजस्व निरीक्षक को 84 हज़ार रुपये का चेक घर मे जाकर ग्रेच्युटी यानि उपादान की राशि का इंतजार कर रहे कर्मियों को राशि चेक प्रदान किया।कर्मचारी के चेहरे पर मुश्कान, महापौर एवं एमआईसी टीम के प्रति जताया आभार, कहा उम्मीद नहीं थी आपने किया पूरा।

महापौर अलका बाघमार व आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश और सभापति श्याम शर्मा व वित्त, लेखा प्रभारी नरेंद्र बंजारे मार्गदर्शन पर निगम प्रशासन द्वारा ऐसे कर्मियों को उपादान की राशि के भुगतान की तैयारी की जा रही है। निगम प्रशासन ने इसके लिए 300 पात्र कर्मचारियों के नामों की सूची जारी की है। इन कर्मचारियों को 8 करोड़ से ज्यादा, भुगतान का प्रावधान किया गया है। महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं वित्त एवं लेखा प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने उपादान राशि का चेक देने बीमार सेवानिवृत कर्मियों के निवास पर पहुंची और उन्हें डेमो चेक देकर भुगतान की प्रतिबद्धता का एक नया उदाहरण पेश किया। उन्होंने बताया कि सूची पर कर्मचारी 10 दिन के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत अवधि समाप्त हो चुकी है।जिनका दावा आपत्ति है उन आवेदनों की जांच की जा रही है। संचित निधि के ब्याज से भुगतान की तैयारी कर ली गई है। बता दे कि नगर निगम में सत्ता परिवर्तन के बाद पिछले दिनों सामान्य सभा में मौजूदा परिषद ने कर्मचारियों को उपादान की राशि भुगतान का निर्णय लिया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 76, दिनांक 28.05.2025
वार्ड का नाम- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड
वार्ड क्र. 13, वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 13 मांग **पंजी क्र. 1149 युआईडी 39151** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **धर्मेन्द्र कुमार विश्वकर्मा/ नन्दलाल विश्वकर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **1. फूलवती विश्वकर्मा/ धर्मेन्द्र विश्वकर्मा 2. ना.बा. मुस्कान/ धर्मेन्द्र विश्वकर्मा 3. ना.बा. अनन्या/ धर्मेन्द्र विश्वकर्मा 4. ना.बा. साक्षी/ धर्मेन्द्र विश्वकर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **27-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 77, दिनांक 28.05.2025
वार्ड का नाम- मां दंतेश्वरी माता वार्ड
वार्ड क्र. 16, वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 16 मांग **पंजी क्र. 1996 युआईडी 39167** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **कु. निमिता अग्रवाल/ सुशील अग्रवाल** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **किशन लाल सिंह/ईश्वर सिंह** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **27-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 78, दिनांक 28.05.2025
वार्ड का नाम- मां दंतेश्वरी माता वार्ड
वार्ड क्र. 16, वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 16 मांग **पंजी क्र. 1996 युआईडी 39167** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **किशन लाल सिंह/ ईश्वर सिंह** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **भगवती देवती/ राजाराम बिसनोई** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **27-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

भाजपा जवाहर नगर मंडल द्वारा अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

वक्ताओं ने उनके आदर्शों को अपनाने का किया आह्वान

रायपुर (विश्व परिवार)। अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती पर मंगलवार को भाजपा जवाहर नगर मंडल द्वारा दुलार धर्म शाला बढ़ई पारा में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष आमंत्रित वक्ता छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने उपस्थित सभी लोगों से अहिल्या बाई के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। बताया कि मराठा शासिका अहिल्या बाई होलकर का शासन दूरदर्शिता, न्यायप्रियता, लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए प्रसिद्ध रहा। उनका शासन महिला सशक्तिकरण के उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने शासन में सामाजिक आदर्शों के मूल्यों को स्थापित किया। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई ने हमेशा अपने राज्य के लोगों को न्याय प्रदान करने का प्रयास किया। 1767 से 1795 तक मालवा क्षेत्र का शासन किया। उन्होंने कई सुधार किए, जिससे राज्य समृद्ध और सुसंस्कृत बना। अहिल्याबाई ने अपने राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। सड़कों, पुलों और सार्वजनिक भवनों का निर्माण करवाया, जिससे व्यापार और गतिशीलता को बढ़ावा मिला। अहिल्याबाई ने एक सुव्यवस्थित और कुशल प्रशासन स्थापित किया। महिलाओं के सशक्तिकरण का भी समर्थन किया। महिलाओं को शिक्षा और व्यवसाय में हिस्सेदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जघेल, पार्षद एवं, रव्कृष्ट सदस्य अवतार सिंह बागल, भाजपा प्रवक्ता तौकीर रजा, चंद्रेश शाह, रमेश शर्मा, अर्पित सूर्यवंशी, असगर अली, मतराम वर्मा, मनोज शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा से गीता रेड्डी, रेणुका शुक्ला, प्रियंका साहू उपस्थित थी।उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में संगोष्ठी संयोजक सोनू राजपूत, सूरज शर्मा, प्रणीत जैन, संतोष निहाल द्वारा अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया। जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जघेल द्वारा उपस्थित सभी आमंत्रित वक्ता भाजपा के सदस्य पदाधिकारियों, महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं एवं कार्यक्रम संयोजकों का विशेष आभार प्रकट किया।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कॉलोनी बोरियाकला, जिला-रायपुर** में निर्मित **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-609 ब्लॉक-39** भूतल **श्री अमित कुमार शर्मा पिता श्री रामकुमार शर्मा निवासी:- हनुमान मंदिर के पास, खरोरा तहसील-खरोरा जिला-रायपुर (छ.ग.)**, को इस कार्यालय के आंबटन आदेश क्रमांक **4634** दिनांक **07.03.2009** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित किया गया है। मूल आंबटी **श्री अमित कुमार शर्मा पिता श्री रामकुमार शर्मा** पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक **07.01.2010** को लीजडीड निष्पादित करा लिया गया है। मूल आंबटी द्वारा हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त फ्लैट को क्रेता **श्रीमती निबेदिता डे पति श्री सरत कुमार धल पता- प्लाट नं.-1918, एच.बी. कॉलोनी फेस-2, सत्य सांई स्कूल के पास, डुमुडुमा भुवनेश्वर (उडीसा)** के पक्ष में दिनांक **28.03.2023** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता **श्रीमती निबेदितां डे पति श्री सरत कुमार धल,** द्वारा उक्त फ्लैट को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट का फ्री-होल्ड उपरांत नाम दर्ज किये जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला, कॉलोनी, रायपुर में स्थित **भवन क्रमांक PEEPAL-I/146 श्रीमती सविता मनोहर पति श्री राम मनोहर,** के नाम से स्ववित्तिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक **07.01.2016** को पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर इस कार्यालय का पत्र क्रमांक **4327** दिनांक **29.03.2016** के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **श्रीमती सविता मनोहर पति श्री राम मनोहर, निवासी- ओएके विला-259, सफायर ग्रीन विधानसभा रोडछ आमा सिवनी रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्रीमती मंजू रानी घोष पति श्री संजय कुमार घोष, निवासी 19 वार्ड नम्बर-23, चिप हाउस धनपुरी सोहागपुर शहोडल (म.प्र.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र **(NOC)** की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /21149/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 28-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21149
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801N0690D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ADESH AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ISHWAR DAYAL AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRADEEP AGRAWAL (H.U.F) KARTA PRADEEP KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KESHAR DEO AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21124/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 28-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21124
वार्ड का नाम- 46 - मौलाना अब्दूल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 46 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR440C00090** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DEVI BAI, SHANKAR LAL AND LAXMANDAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शंकर लाल हीरवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. गोकुलदास जी हीरवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय दस्तावेज, सहमती पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21115/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 27-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21115
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **45** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739C00104** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RUPNARYAN SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHHAGAN LAL SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **निलेश आशरा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. कोमलचंद आशरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
ई-कोर्ट क्रमांक......../ब-121/वर्ष 2024-25
ग्राम- पिपरिया, प0ह0नं0-06

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि- आवेदक **लोभान श्रीवास पिता भागवम श्रीवास निवासी ग्राम पिपरिया तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम** ने अपने पुत्र **उदित श्रीवास** के **जन्म प्रमाण पत्र** शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज आवेदन पत्र, अप्राप्यता प्रमाण पत्र, पंचनामा, शपथ पत्र शिक्षा प्रमाण पत्र में आवेदक के पुत्र **उदित श्रीवास** का जन्म तिथि **06/11/2006** को **ग्राम पिपरिया** में होना लेख किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा/ आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक **16/05/2025** को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
पेशी दिनांक 28/05/2025

(मुहर) **तहसीलदार**
पिपरिया

राज्यपाल रमेन डेका ने जंगलवार कॉलेज, कांकेर का किया निरीक्षण

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कांकेर जिले के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन आज सिंगारभाट स्थित 'काउंटर टेरेरिज्म एंड जंगल वारफेयर' महाविद्यालय में पहुंचकर जवानों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की बारीकियों की जानकारी ली। इस दौरान जवानों के अभ्यास का लाइव डेमो देखा और उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल महाविद्यालय में स्थित म्यूजियम में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख माओवादी घटनाक्रम से अवगत हुए। इसके अलावा राज्यपाल ने जंगलवार कॉलेज का भ्रमण कर विभिन्न प्रशिक्षण स्थलों में प्रशिक्षार्थियों के द्वारा अभ्यास का डेमो देखा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं.की उत्तरदायी कंपनी) CIN-U40108CT2003SCG015820
कार्यालय कार्यपालन अभियंता 400 के.व्ही. उपकेन्द्र संभाग,कुरूद धमतरी GSTIN - 22AADCC5773E1ZX E-Mail:www.cspc.co.in

क्रमांक कार्य.अभि./400के.व्ही.उपकेन्द्र/111 कुरूद,दिनांक 28.05.2025

//निविदा आमंत्रण सूचना //

SUV (earlier Jeep) श्रेणी अथवा समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध हेतु

कार्यपालन यंत्री (400 के.व्ही. उपकेन्द्र)संभाग, कुरूद (धमतरी) के कार्यालयीन कार्यो के लिए वाहन चालक सहित 1 नग SUV (earlier Jeep) श्रेणी समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध 03 (तीन वर्ष) हेतु पंजीकृत/उपयुक्त ठेकेदारों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है ।

क्र.	कार्य का विवरण	आवश्यक संख्या	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय
1.	कार्यपालन यंत्री (400 के.व्ही. उपकेन्द्र) संभाग, कुरूद (धमतरी) के कार्यालयीन कार्यो के लिए वाहन चालक सहित 1 नग SUV (earlier Jeep) श्रेणी अथवा समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध 03 (तीन वर्ष) हेतु	01 नग	दिनांक.16.06.2025 समय 17:30 बजे तक

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट http://cspc.co.in से डाउनलोड की जा सकती है ।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाऐं

(जे.एल.साहू)
कार्यपालन यंत्री (400 के.व्ही. उपकेन्द्र)संभाग
छ.ग.स्टे.पा.ट्रांस.कं.लिमि. कुरूद (धमतरी)

SAMVAD- 43990/ 3

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर गुरूवार 29 मई 2025

29 मई से 12 जून तक ''विकसित कृषि संकल्प अभियान'' का किया जायेगा आयोजन

सूरजपुर (विश्व परिवार)। संचालनालय कृषि छ.ग. रायपुर के द्वारा मौसम खरीफ 2025 पूर्व कृषि कार्य के तैयारी के लिए 29 मई से 12 जून तक राष्ट्रीय अभियान- विकसित कृषि संकल्प अभियान विकासखण्ड के ग्राम पंचायत स्तर पर चलाया जाएगा। इस दौरान शिविर आयोजित कर कृषि वैज्ञानिक और अधिकारी गांवों में जाकर किसानों से बातचीत करेंगे और उन्हें नई खेती की तकनीकों और खरीफफसलों के प्रबंधन की जानकारी देंगे। जिले के विकासखण्ड सूरजपुर, भैयाथान, ओड़गी, प्रेमनगर, रामानुजनगर एवं प्रतापपुर में विकसित कृषि संकल्प अभियान के लिए चार्ट रूट निर्धारित किया गया है।

इस अभियान के तहत शिविर का आयोजन सूरजपुर विकासखंड में दिनांक 29 मई पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति बसदेई, 29 मई अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति डुमरिया, 30 मई पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति जयनगर, 30 मई अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति सिलफिल्ली, 31 मई पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति मानी, 31 मई अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति कन्दरई, 02 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति लटोरी, 02 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति कल्याणपुर, 03 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति सूरजपुर, 03 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति रामनगर, 04 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति कसलगिरी और 04 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति अजबनगर में आयोजित किया जायेगा।

प्रतापपुर विकासखण्ड में दिनांक 05 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति प्रतापपुर, 05 जून अपरान्ह को सचिवालय भवन मानी, 06 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति जगरन्नाथपुर, 06 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति कोटेया, 07 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति गोविन्दपुर, 07 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति रमकोला, 09 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति रेवटी, 09 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति चंदौरा, 10 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति सोनगरा, 10 जून अपरान्ह को पंचायत भवन खडगंवाकला, 11 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन करसी, 11 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति टुकुडाड, 12 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति दवनकरा, 12 जून अपरान्ह को पंचायत भवन मरहटा में आयोजित किया जायेगा।

ओड़गी विकासखण्ड में दिनांक 29 मई पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति नवगई, 29 मई अपरान्ह को पंचायत भवन पासल, 30 मई पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति मोहरसोप, 30 मई अपरान्ह को पंचायत भवन छतरंग, 31 मई पूर्वान्ह को पंचायत भवन भाड़ी, 31 मई अपरान्ह को पंचायत भवन रैसरा, 02 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन खोड, 02 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति रामपुर, 03 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन ओड़गी में आयोजित किया जायेगा।

भैयाथान विकासखण्ड में दिनांक 03 जून अपरान्ह को पंचायत भवन बैजनाथपुर, 04 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन दर्रीपारा, 04 जून अपरान्ह को पंचायत भवन झिलमिली, 05 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन नवापारा, 05 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति सोनपुर बंजा, 06 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन बड़सरा, 06 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति केवरा, 07 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन मसिरा, 07 जून अपरान्ह को पंचायत भवन कुसमुसी, 09 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन धरतीपारा, 09 जून अपरान्ह को प्राथमिक स्कूल आम बगीचा लक्ष्मीपुर, 10 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन चुनगढी, 10 जून अपरान्ह को पंचायत भवन सुदामानगर, 11 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन तेलगवां, 11 जून अपरान्ह को पंचायत भवन केवटाली, 12 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति चन्द्रेमढा, 12 जून अपरान्ह को पंचायत भवन पोड़ी में आयोजित किया जायेगा।

प्रेमनगर विकासखण्ड में दिनांक 29 मई पूर्वान्ह को पंचायत भवन नवापाराकला, 29 मई अपरान्ह को पंचायत भवन भगवानपुर, 30 मई पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति बकिरमा, 30 मई अपरान्ह को पंचायत भवन महोरा, 31 मई पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति कंचनपुर, 31 मई अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति चंदनगर, 02 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन कोतल, 02 जून अपरान्ह को पंचायत भवन बकालो, 03 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन दुर्गापुर, 03 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति उमेश्वरपुर, 04 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन तारा और 04 जून अपरान्ह को पंचायत भवन पार्वतीपुर में आयोजित किया जायेगा।

रामानुजनगर विकासखण्ड में दिनांक 05 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति रामानुजनगर, 05 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति पलरापाली, 06 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति छिन्दिया, 06 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति गणेशपुर, 07 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति उमापुर, 07 जून अपरान्ह को पंचायत भवन तिवरागुडी, 09 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन मदनेश्वरपुर, 09 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति पोडी, 10 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति कृष्णपुर, 10 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति चंदरपुर, 11 जून पूर्वान्ह को आ.जा.से.सह. समिति देवनगर, 11 जून अपरान्ह को पंचायत भवन पस्ता, 12 जून पूर्वान्ह को पंचायत भवन लब्जी, 12 जून अपरान्ह को आ.जा.से.सह. समिति परशुरामपुर में आयोजित किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न खेल के कौशल का दिया जा रहा प्रशिक्षण

सूरजपुर (विश्व परिवार)। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ के निर्देशन एवं कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिले में किया जा रहा है, जिले चयन खेल अभ्यास केन्द्र में भी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण के साथ ही साथ समस्त खेल संघ के द्वारा भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला स्तरीय खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 16 मई से प्रारंभ है जो 14 जून तक किया चलेगा। 30 दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में सब जूनियर व जूनियर वर्ग के बालक व बालिका प्रशिक्षणार्थी भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है, यह शिविर प्रतिदिन प्रात: 06 से 08 एवं सायं 05 से 07 बजे तक आयोजित हो रहा है, जोकि पूर्णत: नि:शुल्क है, शिविर के समापन अवसर पर 30 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खेल विधाओं के प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित किया जायेगा। इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिदिन विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्रशिक्षक द्वारा दिये जा रहे जैसे- नरेश कुमार कुशवाहा एथलेटिक्स, शोमेश सिंह लामा बैडमिंटन, रामबहादूर लामा फुटबॉल, चन्दन चौहान कराटे, लालजी यादव वुशू, आकाश सोनी ताईक्वांडो, राजनाथ गुप्ता वॉलीबाल, सहदेव रवि व सिमांचल त्रिपाठी कबड्डी, बालेन्द्र साहू खो-खो खेल एवं वेदराम स्विमिंग, का प्रशिक्षण इनके द्वारा प्रतिदिवस दिया जा रहा है।

कलेक्टर ने नगरीय निकाय और ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाए

जशपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर रोहित व्यास ने मंगलवार को जनपद सीईओ की बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा, सुशासन तिहार के लंबित प्रकरणों और प्लास्टिक मुक्त अभियान के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, उपस्थित थे। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों का जीवों टेगिंग करने के निर्देश दिए हैं। पत्थलगांव में स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरा कलेक्शन चालू करने के निर्देश दिए हैं और बंद मशीन को चालू करने के लिए कहा है। मनोरा विकास खंड के सेरीग्रेशन शेड को शीघ्र चालू करने के लिए कहा है। बगीचा विकास खंड में कचरा कलेक्शन को भी चालू करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ को निर्देश दिए हैं कि ब्लाक वार रोस्टर तैयार करने स्वच्छता ग्राही, काम कर रहे हैं कि नहीं, ग्राम पंचायतों से यूजर जार्ज लिया जा रहा है कि नहीं श्रमदान अभियान चलाया जा रहा है कि नहीं जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

खेलो इंडिया एकेडमी की आवासीय स्टेट एकेडमी में चयनित खिलाड़ियों से कलेक्टर ने की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

सुकमा (विश्व परिवार)। सुकमा जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षणों में से एक क्षण उस समय सामने आया जब जिले के होनहार खिलाड़ी खेलो इंडिया एकेडमी की आवासीय स्टेट एकेडमी में चयनित हुए। इस अवसर पर कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने इन प्रतिभाशाली बच्चों से मुलाकात की और उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर श्री ध्रुव ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह चयन सिर्फ बच्चों की मेहनत का नहीं, बल्कि पूरे सुकमा जिले की उपलब्धि है। उन्होंने सभी चयनित खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्होंने कहा कि आप सभी पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करे। इस दौरान कलेक्टर ने खिलाड़ियों को जरूरी खेल सामग्री जैसे स्पोर्ट्स शूज, जर्सी, ट्रैकसूट एवं अन्य आवश्यक किट प्रदान करने के निर्देश दिए। जिससे उन्हें अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी श्री विरुपाक्ष पुराणिक, खेलो इंडिया के कोच श्री शिवेंद्र ठाकुर तथा गर्ल्स टीम की असिस्टेंट कोच सुश्री कविता साहू भी उपस्थित थी।

सांस्कृतिक एवं कौशल विकास की गतिविधियों में जुटे विद्यार्थी

सुकमा (विश्व परिवार)। जिला प्रशासन सुकमा के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला मिशन समन्वयक के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के रचनात्मकता और प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से पीएमश्री विद्यालय कोंटा में समर कैंप का आयोजन 15 मई से 25 मई तक आयोजित किया गया। पी एम श्री स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय कोंटा में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन आज विकासखंड शिक्षा अधिकारी पी श्रीनिवास के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

अंतरराष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता प्रबंधन दिवस पर शिवपुर में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

सूरजपुर (विश्व परिवार)। अंतरराष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता प्रबंधन दिवस के अवसर पर आज जनपद प्रतापपुर की ग्राम पंचायत शिवपुर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओ के माहवारी स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में ज़िला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष प्रतापपुर, नगर पंचायत अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत के सरपंच की उपस्थिति रही। इन सभी जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर खुले विचार व्यक्त किए और समाज में फैली, माहवारी से जुड़ी रूढ़िवादिता, को तोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं और किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में बताया गया।

साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन की उचित प्रथाओं को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। मासिक धर्म एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है, जिसे लेकर समाज में किसी भी प्रकार की शर्म या भ्रांति नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम का उद्देश्य था कि गांव की महिलाओं और युवतियों को सही जानकारी दी जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने स्वास्थ्य की देखभाल स्वयं कर सकें। इस अवसर पर सेनेटरी नैपकिन के उपयोग, उनके उचित निपटान और स्वच्छता बनाए रखने से जुड़ी जानकारियां भी साझा की गईं।

युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (विश्व परिवार)। सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती करके एक फार्मेसी छात्रा का कथित तौर पर शारीरिक शोषण और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। लखनऊ में पढ़ने वाले कोरबा के एक छात्र पर फेसबुक पर दोस्ती करने, प्यार और शादी का वादा करके छात्रा का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। उसने कथित तौर पर छात्रा का एक आपत्तिजनक वीडियो भी बनाया था। छात्रा की शिकायत पर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। छात्रा ने अब आरोप लगाया है कि आरोपी के परिजन उस पर मामला वापस लेने और उसका करियर बर्बाद करने की धमकी दे रहे हैं। इस उत्पीड़न से परेशान होकर छात्रा ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। रायपुर जिले के अभनपुर की 22 वर्षीय छात्रा बिलासपुर के उसलापुर में फार्मेसी की पढ़ाई कर रही थी। 2024 में उसकी दोस्ती फेसबुक के जरिए लखनऊ के छात्र ऐश्वर्य सिंह कंवर से हुई, जो कोरबा का रहने वाला है। बातचीत के दौरान ऐश्वर्य ने जनवरी 2024 में उससे प्यार का इजहार किया और शादी का वादा कर एक होटल में मुलाकात की। युवती के अनुसार, युवक ने कहा कि वे एक ही जाति के हैं और शादी कर साथ रहेंगे। 3 जून 2024 को युवक उससे मिलने बिलासपुर आया और उसे होटल में बुलाया। युवती के मना करने पर युवक ने शादी की बात कहकर उसे मना लिया, जिसके बाद वह उससे मिलने चली गई। वहां युवक ने कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया और उसका न्यूड वीडियो बना लिया। इसके बाद वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे शारीरिक शोषण करने लगा। जब युवती ने शादी के लिए दबाव डाला, तो युवक मुकर गया और उससे बात करना बंद कर दिया। परेशान होकर युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी ऐश्वर्य सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

शासकीय दस्तावेज के लिए जन्म और मृत्यु पंजीयन अनिवार्य

सुकमा। शासकीय कार्यालयों और प्रक्रियाओं में शामिल होने के लिए जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रशासकीय दस्तावेज के रूप में अनिवार्य है। इसलिए आम नागरिकों को मुख्य रजिस्ट्रार के द्वारा किसी शिशु के जन्म लेने पर अथवा किसी व्यक्ति के मृत्यु हो जाने पर वैध प्रमाण पत्र बनाने हेतु अनुरोध किया गया है। शिशु के जन्म के 21 दिन के भीतर नि:शुल्क किया जाता है।

शासकीय अस्पताल में प्रसव होने पर डिस्चार्ज के पूर्व जन्म पंजीयन उसी संस्थान में बनेगा। निजी अस्पताल, घर, अन्य स्थान में जन्म होने पर पंजीयन हेतु नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत या ग्राम पंचायत में सूचित करना है। शिशु के नाम के बिना भी जन्म पंजीयन कराया जा सकता है। जन्म पंजीयन के 12 माह के भीतर शिशु का नाम नि:शुल्क जोड़ा जाएगा। जन्म पंजीयन करने के बाद प्रमाण प्त्र लेना अनिवार्य है।

सुशासन तिहार : सिंघिया क्लस्टर में समाधान शिविर का हुआ आयोजन

'ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ'

कोरबा (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा में सिंघिया क्लस्टर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासन की योजनाओं के लाभ को सीधे जनता तक पहुंचाने का माध्यम बना।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पवन सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत कोरबा की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रीमती माधुरी देवी सिंह तंवर, अध्यक्ष जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा, प्रकाश चंद जाखड़, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत, तुलाराम भारद्वाज, अनुविभागीय अधिकारी (रा.), एवं जयप्रकाश डड़सेना, सीईओ जनपद पंचायत ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

शिविर में जनपद सदस्य श्रीमती सरस्वती डिक्सेना, अक्षय कुमार गर्ग, चतुरभुवन नायक, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, सरपंच, सचिव तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में क्लस्टर सिंघिया की ग्राम पंचायतें सिंघिया, लखनपुर, सुतर्रा, कोरबी, कापूबहरा, मलदा, नगोईबछेरा, बिनझरा, भांवर एवं बरतराई शामिल रहीं। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों की सुनवाई कर समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूली बच्चों को खेल सामग्री (जूता, गेंद) व जाति प्रमाण पत्र, जनपद पंचायत द्वारा राशन कार्ड और जॉब कार्ड, कृषि विभाग द्वारा मोटर पंप, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। साथ ही किसानों को ऋण चेक का भी वितरण किया गया। समाधान शिविर में शासन की योजनाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता के साथ ही शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित किया गया।

अहिल्याबाई होल्कर के तृतीय जन्म सताब्दी के अवसर पर संगोष्ठी एवं महिला सम्मान

बसना(समय दर्शन)। अहिल्याबाई होळकर की 300 वीं जयन्ती पर भाजपा मण्डल बसना ने जनपद सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में बसना विधानसभा संयोजक एवं बेटी पड़ाव,बेटी बचाव, के प्रदेश प्रदेश सदस्य डॉ.एन के अग्रवाल ने पुण्यश्लोक माता अहिल्या देवी होल्कर के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, अहिल्यादेवी होल्कर एक धर्म निष्ठ ,न्याय प्रिय शासिका थी।

उनके पति खण्डेराव की असमय मृत्यु पश्चात (31 मई 1725)मे उन्होंने राज्य की गद्दी सँभाली।उन्होंने 75 सार तक धर्म निष्ठ शासन किये। उस दौरान 13 अगस्त 1795) तक उनके शासन काल मे मराठा साम्राज्य की प्रसिद्धि मानी जाती है। महारानी अहिल्यादेवी इतिहास-प्रसिद्ध सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खण्डेराव की धर्मपत्नी थीं।

वह परिहार गोत्र की थी । माहेश्वर को राजधानी बनाकर उन्होने लंबे समय तक

शासन किया। उन्होंने न्याय प्रियता की पराकाष्ठा पर खरा उतरते हुए अपने बेटे पर एक हत्या का लांछन लगने पर,उन्होंने अपने ही रथ से कुचल देने चाहती थी।

अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए।

घाट बँधवाए, कुओं और बावड़ियों का निर्माण करवाया। अव्यवस्थित मार्ग का सुदृढ़ीकरण करवाए।काशी विश्वनाथ में शिवलिंग को स्थापित किया। भूखों के लिए अन्नसत्र (अन्न क्षेत्र) खोले। प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाईं, मन्दिरों में विद्वानों की नियुक्ति की।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डा. खुशबु अग्रवाल ने राजमाता अहिल्या बाई के शासन काल मे आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक कार्य पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत मे सामाजिक क्षेत्र मे कार्य कर रहे महिलाओं श्रीमती कावेरी चौधरी , श्रीमती पवित्रा नन्द, श्रीमती प्यारी यादव , श्रीमती राजकुमारी सोना, श्रीमती सत्यभामा का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से विधानसभा संयोजक डॉ एन के अग्रवाल जनपद अध्यक्ष श्रीमती डिलेवरी मिलाप निराला , नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डॉ खुशबू अग्रवाल, लिधायक प्रतिनिधि खोलबाहरा निराला, मुख्य कार्यपालन अधिकारी पियूशसिंह ठाकुर, बसना मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र यादव मंडल महामंत्री सरोज पटेल, मंडल कोषाध्यक्ष अमृत चौधरी,मंडल उपाध्यक्ष महेंद्र साव , मंडल उपाध्यक्ष भरत चौधरी , मंडल मंत्री गिरजा नंद, मंडल मंत्री नरेश चौधरी,जनपद सदस्य जन्मजय साव भूपेंद्र साहू ,एन एल भोई ,खिरसागर साव , टीकाराम कश्यप, बरतराम कश्यप शशीकांत बारिक, जनपद सदस्य श्रीमती दीपा साहू , श्रीमती चंद्रकांता दुबे दुलासिदार ,बूथ अध्यक्ष रुपधर साव एवं मण्डल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

अब व्यापार घाटे पर नियंत्रण जरूरी...

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान एक प्रतिशत है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा। ऐसे में भारत को सेवा निर्यात और तेजी से बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। यह बात ध्यान में रखी जानी होगी कि अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में भी लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में तेजी से वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता तथा सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करने होंग इन दिनों विदेश व्यापार पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी चुनौतियों से भारत के सामने व्यापार घाटा बढने का खतरा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2025 में जहां भारत से वस्तु निर्यात बढक़र 38.49 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए, वहीं भारत के वस्तु आयात अधिक तेजी से बढक़र 64.91 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। ऐसे में वस्तुओं के व्यापार घाटे का आकार 26.42 अरब डॉलर पर रेखांकित हो रहा है। अतएव भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढना जरूरी है। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) जहां देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफवार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपए किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढने की तैयारी कर रहा है। चूंकि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफभारत की कार्रवाई पर चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दिया है और चीन ने न केवल पाकिस्तान को पूर्ण समर्थन दिया, वरन चीन ने पाकिस्तान को मिसाइलों सहित विभिन्न हथियारों की सीधी आपूर्ति भी की। चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत को तेजी से आर्थिक शक्ति बनने से रोकना चाहता है। ऐसे में अब भारत के साथ शत्रुपूर्ण आचरण कर रहे चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करके चीन को भी आर्थिक सबक दिया जाना जरूरी है। हाल ही में प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। इतना ही नहीं, चिंताजनक यह भी है कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढक़र 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढक़र 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। अब आतंकी देश पाकिस्तान को विश्व मंच पर खुला समर्थन दे रहे, चीन के साथ कोई छह माह पूर्व भारत ने मित्रता की जिस राह को आगे बढ़ाया था, अब उस राह को रोकते हुए चीन के साथ कारोबार असंतुलन को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाने जाने जरूरी हैं। नि:संदेह भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लाई जानी होगी। भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढना होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफपर प्रभावी वार्ता करते हुए द्विपक्षीय कारोबार समझौते को तेजी से अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फकंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफ्टीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसी, लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी का बाजार आकार 5.4 लाख करोड़ रुपए का है और यह 2030 तक 8.4 लाख करोड़ रुपए का होगा। दुनिया के 50 प्रतिशत जीसीसी सिर्फ भारत में हैं। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान एक प्रतिशत है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा। ऐसे में भारत को सेवा निर्यात और तेजी से बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। यह बात ध्यान में रखी जानी होगी कि अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में भी लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में तेजी से वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता तथा सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करने होंगे। हम उम्मीद करें कि भारत सरकार बढ़ते हुए व्यापार घाटे को नियंत्रित करने के लिए एमएसएमई की मजबूती, चीन से आयात नियंत्रण, मुक्त और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों, सेवा निर्यात बढ़ाने तथा निर्यात के लिए संभावित नए देशों में कारगर प्रयासों की रणनीति को मुट्ठी में लेकर आगे बढने का प्रयास करेगी।

मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट में समस्या

लोकल सर्किल्स के सर्वेक्षण से पता चला है कि 89त्न मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट होने में समस्या हो रही है। इनमें से 40त्न ने अक्सर ऐसी स्थिति का सामना करने की बात की। देश के 342 जिलों के रहवासियों से सव्रेक्षण में छप्पन हजार से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गई। कॉल करने में दिक्कत के अलावा अचानक फोन कटने की भी शिकायतें आम हैं। जिससे उपभोक्ताओं को बार-बार डेटा/वाई-फाई कॉल यानी व्हाट्सएप, फेसटाइम या स्काइप करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। डाटा फॉर इंडिया के मुताबिक बीते साल ही भारत में हर सौ लोगों पर 81 मोबाइल कनेक्शन हो चुके हैं। हालांकि इसमें कई लोगों के पास दो से ज्यादा कनेक्शन भी हो सकते हैं। फिर भी अंदाजन इस वक्त 84त्न से अधिक भारतीयों के पास मोबाइल कनेक्शन है, जिसमें स्मार्ट फोन उपभोक्ताओं की संख्या 2026 में सौ करोड़ पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। इंटरनेट के प्रयोग और रोजमर्रा में फोन की आवश्यकता ने नौजवानों को मोबाइल कनेक्शन के प्रति बेहद आकृष्ट किया है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया के शीर्ष दस दस विकसित देशों की तीन चौथाई आबादी के हाथ में स्मार्टफोन है। बावजूद इसके कंपनियां उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने में बुरी तरह नाकाम हैं। इसके लिए सरकार का लापरवाह रवैया भी कम दोषी नहीं कहा जा सकता। उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम होने के बावजूद कंपनियों द्वारा लगातार उनकी उपेक्षा की जाती है। फोन कनेक्शन बढ़ने से उत्साहित टेलीकंपनियों को अपनी सेवाओं को लेकर सतर्क और जवाबदेह बनना होगा। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान के उत्तरदायित्वों के निर्वहन में होने वाली कोताही के प्रति सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। यदि फोन कंपनियों का इन्फ्रास्ट्रक्चर यह भार सहन करने में सक्षम नहीं है तो वे नये कनेक्शन तब तक देने में हाथ सिकोड़ सकती हैं। जब तक उनका सिस्टम सटीक नहीं हो जाता। जब तारों द्वारा जोड़े जाने वाले लैंड लाइन होते थे, तब लाइन्स सीमित होने के कारण व्यस्त समय में उपभोक्ताओं को सभी लाइनें व्यस्त हैं, जैसी सूचना देने की सुविधाएं थीं। अब तमाम तकनीकी सुविधाओं और मोटी रकम चुकाने वाले उपभोक्ता को फोन कंपनियों की यह जानबूझकर की जा रही लापरवाही क्यों बर्दाश्त करनी पड़ रही है। सरकार और दूरसंचार मंत्रालय को इस पर कड़े कदम उठाने होंगे।

आलेख

अरावली पहाड़ का उजड़ना चिंताजनक

पंकज चतुर्वेदी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बीते कुछ दिनों से गर्मी के साथ आकाश में छाए धूल के गुबार ने सांस के मरीजों के लिए जीवन का संकट खड़ा कर दिया है। हरियाणा के भिवानी में बवंडर ऐसा था कि दृश्यता 200 मीटर नहीं रह गई थी। रेत के तूफान ने राजस्थान के बीकानेर में भी लोगों को भयभीत किया वहां धूल ने सूरज को ढंक दिया और 455 डिग्री की गर्मी को घुटन में बदल दिया। कहने की जरूरत नहीं कि यह रेतीली आंधी पाकिस्तान से उठी थी। वैसे तो हर साल मानसून आने से पहले दिल्ली और उत्तर-पश्चिम भारत में ऐसे धूल भरे तूफान आना आम है। इस मौसम में सऊदी अरब और कभी-कभी सहारा जैसे दूरदराज के इलाकों से उठने वाली धूल पश्चिमी हवाओं के जरिए यहां तक पहुंच जाती है। चिंता की बात यह है कि इस तरह के धूल भरे अंधड़ की संख्या और दायरा साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। समझना होगा कि यह सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन का प्रभाव है। 2015 के बाद से ऐसे अंधड़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। अंधड़ से जान-माल का नुकसान तो होता ही है, सार्वजनिक संपत्तियों को भी खासा नुकसान होता है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'अर्थ साइंस इंफोरमैटिक्स' में प्रकाशित एक शोध में चेतावनी दी जा चुकी है कि अरावली पर्वतमाला में पहाड़ियों के गायब होने से राजस्थान में रेत के तूफान में वृद्धि हुई है। भरतपुर, धौलपुर, जयपुर और चित्तौड़गढ़ जैसे स्थानों, जहां अरावली पर्वतमाला पर अवैध खनन, भूमि अतिक्रमण और हरियाली उजाड़ने की अधिक मार पड़ी है, को सामान्य से अधिक रेतीले तूफानों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर एल के शर्मा और पीएचडी स्कॉलर आलोक राज के अध्ययन 'असेसमेंट ऑफ लेंड यूज डायनामिक्स ऑफ द अरावली यूजिंग इंटीग्रेटेड' में कहा गया है कि गांठ बांध लें कि दिल्ली, राजस्थान के गैर-मरु स्थलीय जिलों और हरियाणा का अस्तित्व अरावली पर टिका है, और अरावली को नुकसान का अर्थ है कि देश के अन्न के एक कटोरे पंजाब तक बालू के धोरों का विस्तार। रेत के बवंडर खेती और हरियाली वाले इलाकों तक न पहुंचें, इसके लिए सुरक्षा-परत या शील्ड का काम हरियाली और जल-धाराओं से संपन्न अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही है। इसरो का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ें जमा रहा है। सनद रहे कि राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान और उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है। खासकर गर्मी में यह धूल पूरे परिवेश में छा जाती है। मानवीय जीवन पर इसका दुष्परिणाम ठंड में दिखने वाले स्मोग से अधिक होता है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा है कि कई स्थानों पर पहाड़ की श्रृंखला की जगह गहरी खाई हो गई और इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि उपजाऊ जमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है। गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू हो कर कोई 692 किमी. तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है, जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को कोई 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है, और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में गिना गया है। ऐसी महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उतुंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई। असल में अरावली पहाड़ रेगिस्तान से चलने वाली आंधियों को रोकने का काम करते रहे हैं, जिससे एक तो मरूभूमि का विस्तार नहीं हुआ दूसरा इसकी हरियाली, साफ हवा और बरसात का कारण बनती रही। एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में कई अन्य पहाड़ियों के अलावा, ऊपरी अरावली पर्वतमाला की हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में कम और मध्य ऊंचाई की कम से कम 31 पहाड़ियां गायब हो गई हैं। ऊपरी स्तर पर पहाड़ियों का गायब होना नरैना, कलवाड़, कोटपूतली, झालाना और सरिस्का में समुद्र तल से 200 मीटर से 600 मीटर की ऊंचाई पर दर्ज किया गया था। याद करें कोई तीन साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से पूछा था कि आखिर, कौन हनुमान जी ये पहाड़ियां उठा कर ले गए?

मोह का मायाजाल:आत्मशुद्धि की यात्रा में सबसे बड़ा बंधन

– डॉ. सुनील जैन

मनुष्य जीवन एक अवसर है ङ्क आत्मा के उत्थान और मोक्ष की ओर अग्रसर होने का। परंतु इस यात्रा में अनेक बंधन हैं जो आत्मा को बाँधते हैं, भ्रमित करते हैं और उसे संसार के चक्रव्यूह में उलझाए रखते हैं। इन बंधनों में सबसे गहन, सबसे सूक्ष्म और सबसे प्रबल बंधन है — मोह। जैन दर्शन में आत्मा को स्वतंत्र, शक्तिशाली और अनंतगुण संपन्न माना गया है। किंतु जब आत्मा अज्ञान, आसक्ति और मोह में उलझ जाती है, तब वह अपने स्वरूप को भूल जाती है और संसार में भटकती है। मोह आत्मा की इस भटकन का मूल कारण है। मोह वह आंतरिक विकार है जो आत्मा को असली शुद्ध स्वरूप से विचलित कर, उसे बाहरी आसक्ति और भ्रम में फँसा देता है; साधना के मूल लक्ष्य में से एक मोह को पार करके आत्मा को सर्वथा मुक्त करना है।

मोह की परिभाषा: संस्कृत में 'मोह' का अर्थ है ङ्क अज्ञानवश उत्पन्न आकर्षण, संबंधों या वस्तुओं में आसक्ति, या सत्य का अविद्या रूप से आच्छादन।

मोहो नाम ज्ञानावरणं, यत् आत्मनो विषयासक्तत्वं जनयति। मोह वह है जो आत्मा के ज्ञान को ढाँक देता है और विषयों में आसक्ति उत्पन्न करता

मोह के प्रकार: द्रव्य मोह (वस्तुओं का मोह): धन, संपत्ति, शरीर, वस्त्र, वाहन आदि में आसक्ति।

भाव मोह (संबंधों का मोह): परिवार, संबंध, प्रेम, द्वेष, ममता आदि में बंध जाना।

ज्ञान मोह (मिथ्यात्व): सत्य को न पहचानना, सही मार्ग से हट जाना।

मोह के प्रभाव: आत्मा का ज्ञान ढक जाता है। विवेक नष्ट हो जाता है और व्यक्ति निर्णय लेने में असमर्थ होता है। बंधन की श्रृंखला सुदृढ़ होती जाती है, जिससे जन्म-मरण का चक्र अनवरत चलता रहता है। कषायें (क्रोध, मान, माया, लोभ) मोह से ही उत्पन्न होती हैं।

जैसा कि भगवान महावीर ने कहा है ङ्कमोह एव संसारस्य मूलम् अस्ति ङ्क मोह ही संसार का मूल है।

मोह से मुक्ति : एक आध्यात्मिक साधना :

वैराग्य का अभ्यास करें ङ्क जो मेरा नहीं है, उसमें मेरा क्या? इस भाव से जीवन जिएँ।

स्वाध्याय और ध्यान के माध्यम से आत्मा का बोध करें।

संबंधों में प्रेम रखें, परंतु आसक्ति न रखें।

जैसा कि एक संत ने कहा —कर्म करते जाओ, पर बंधन में मत आओ।

जिनवाणी का आश्रय लें, जिससे मिथ्यात्व नष्ट हो और सम्यकदर्शन की ओर कदम बढ़ें।

?? मोह से मुक्ति की साधना:

वैराग्य का अभ्यास: संसार में रहकर भी संसार में न रमो ङ्क यही साधक की कसौटी है।

आत्मा का चिंतन: आत्मा को द्रव्य, गुण, और पर्याय रूप में जानें। मैं आत्मा हूँ, शरीर नहीं ङ्क इस भाव का चिंतन करें।

शुद्ध भक्ति और स्वाध्याय: जिनेन्द्र भगवान की भक्ति करें, जिनवाणी पढ़ें। उत्तम चारित्र और सम्यक्त्व की ओर बढ़ें।

प्रार्थना: अरहंता दीवा माणंति, मोहंधारे अंधारि।
तेणं समणे भणिए, पवियं धम्मं देसइ।

अर्थ: अरिहंत भगवान अंधकार को दूर कर देने वाले दीपक हैं। वे मोह को हरते हैं और पवित्र धर्म का उपदेश देते हैं।

तस्स तव मोहमूलं दुक्खं, मोहमूला हवन्ति संसारा।

मोहमूलं तव बंधं, तस्स विओगं सुखं वुत्तं।

अर्थ: मोह ही दु:ख, संसार और बंध का मूल है। मोह का विनाश ही परम सुख की प्राप्ति है।

मोहेण खलु जीवो, सम्यक्बुद्धिं न लभते;
मोहमूलास्तु कषाया:, क्रोधमानमायालोभा: ।।

अर्थ: मोह के कारण जीव सम्यक बुद्धि प्राप्त नहीं कर पाता। क्रोध, मान, माया और लोभ ङ्क ये सभी मोह से उत्पन्न होते हैं।

मोहं विणा ना होदि, बंधो अप्पाणओ त्ति पज्जायं;
मोहं विणा सुद्धो, मोहो हवदि असुद्धो त्ति।

मोह के बिना आत्मा का बंधन नहीं होता। मोह से आत्मा अशुद्ध बनती है और मोह के बिना ही आत्मा शुद्ध स्वरूप प्राप्त करती है।

निष्कर्ष : जैन दर्शन में मोह को कर्मों का राजा माना गया है। जब तक मोह है, तब तक आत्मा को सत्य का बोध नहीं होता। मोह के क्षय के बिना न सम्यक्त्व संभव है, न मोक्ष की यात्रा। अत: आत्मा की स्वाधीनता और शुद्धता के लिए मोह का त्याग ही पहला और आवश्यक चरण है।

मोह की पहचान और उससे मुक्ति का प्रयास ही आत्मिक प्रगति की नींव है। जो मोह से मुक्त है, वही वास्तव में मुक्त पुरुष है। मोह का त्याग ही निर्मल चारित्र की ओर पहला कदम है। मोह एक ऐसा अदृश्य बंधन है जो व्यक्ति को स्वतन्त्रता की अनुभूति होते हुए भी पराधीन बनाए रखता है। मोह की पहचान कर उसे समझना, आत्मिक विकास का प्रथम चरण है। मोह से रहित जीवन ही सच्चे अर्थों में मुक्त जीवन है — जहाँ आत्मा स्वयं को पहचानती है और सत्य की ओर अग्रसर होती है।जहाँ मोह समाप्त होता है, वहीं से मोक्ष की यात्रा प्रारंभ होती है।

मोह ने बांध रखी, आत्मा की डोर,
विवेक हुआ बंधक, न मिल सका ठौर।
छूटे जब राग-द्वेष के सारे बंधन,
तभी तो खुलेगा मोक्ष का भोर।।

स्वार्थसिद्धि के हिसाब से कार्रवाई करते हैं दल

योगेंद्र योगी

आश्चर्य की बात यह है कि हरियाणा महिला आयोग ने प्रोफेसर महमूदाबाद पर महिलाओं के अपमान का आरोप लगाया और एफ्आईआर दर्ज कराई, जबकि मध्यप्रदेश का महिला आयोग आरोपी मंत्री शाह के मामले में चुप्पी साधे हुए है। विडंबना यह भी है कि मध्यप्रदेश में हुए पूरे घटनाक्रम पर राष्ट्रीय महिला अयोग मूकदर्शक बना हुआ है। इससे साफ जाहिर है कि आयोग पार्टी और सरकारों के इशारे के बगैर काम नहीं करते, बेशक एक जैसे मामले ही क्यों न हों राजनीतिक दल सत्ता की सुविधा के हिसाब से सारी कार्रवाई तय करते हैं। कहने को कानून की पालना और समानता की दलील देने वाले नेता मौका पडने पर स्पष्ट भेदभाव बरतने में कसर बाकी नहीं रखते। विपक्ष बेशक कितना ही शोर-शराबा क्यों न मचाए, सत्ताधारी दलों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बेशक फर्क बिल्कुल पानी की तरह साफ हो, पूरा देश उनकी सच्चाई को जानता हो, यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत भी कह दे, तब भी राजनीतिक दल बेशर्मी की चादर ओढ़े रहते हैं। इसे मौजूदा तीन ज्वलंत उदाहरणों से समझा जा सकता है कि राजनीतिक दल निहित स्वार्थों के चलते एक जैसे मामले में किस तरह दोहरी नीति अपनाते हैं। पहला मामला है मध्यप्रदेश के भाजपा नेता और मंत्री विजय शाह का। इंदौर जिले के महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय सेना की पहली महिला इंफेंट्री अधिकारी, कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया। वीडियो के वायरल होने के बाद न सिर्फमध्य प्रदेश, बल्कि देशभर में शाह के खिलाफलोगों ने विरोध व्यक्त किया है। हाईकोर्ट के निर्देश पर मंत्री विजय शाह के खिलाफइंदौर के मानपुर थाने में केस दर्ज हुआ। सुनवाई के दौरान कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए एफ्आईआर की कॉपी रखी गई। एफ्आईआर देखकर जस्टिस अतुल श्रीधरण और अनुराधा शुक्ला हैरान रह गईं। दोनों ने देखा कि एफ्आईआर में अपराध का जिक्र ही नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने एफ्आईआर को कमजोर और असंतोषजनक बताया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि केस को कमजोर करने के लिए राज्य सरकार ने घोर छल किया है। एफ्आईआर इस तरह से लिखी गई है कि आगे चलकर खारिज हो जाए। साथ ही कोर्ट ने कहा कि छल को शुरू से ही रोकने की जरूरत है। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफमंत्री शाह ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने भी शाह को खरी-

खोटी सुनाने में कसर बाकी नहीं रखी। इसी मामले में मंत्री विजय शाह के माफीनामे को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। साथ ही सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें माफी की जरूरत नहीं है, यह अवमानना नहीं है। हम इसे कानून के अनुसार संभाल सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुछ लोग तो इशारों से माफी मांगते हैं। कुछ घडियाली आंसू बहाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंत्री के बयान से पूरा देश शर्मसार है और मंत्री को उचित माफी मांगकर या माफी के साथ खेद व्यक्त करके खुद को सही साबित करना चाहिए था। हम एक ऐसा देश हैं जो कानून के शासन का पालन करता है और यह उच्चतम से निम्नतम स्तर तक के लिए समान है। सुप्रीम कोर्ट ने जांच के लिए एसआईटी बनाने का आदेश दिया। दूसरा मामला हरियाणा का है। सोनीपत की अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफदो एफ्आईआर दर्ज की गईं। एक प्राथमिकी हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया और दूसरी सोनीपत जिले के जठेरी गांव के सरपंच योगेश जठेरी ने कराई। प्रो. महमूदाबाद ने फेसबुक पर पोस्ट की थी, जिसमें कहा गया कि पाकिस्तान में आतंकवाद को वहां की सरकार से अलग करके नहीं देखा जा सकता। खुद इससे पीड़ित होने का नाटक कर पाकिस्तान इन कार्रवाइयों से बच नहीं सकता। उन्होंने सैन्य कार्रवाई को आतंकी ठिकानों तक सीमित रखने और नागरिक तथा सैनिक ठिकानों को उससे अलग रखने के लिए भारतीय सेना की सराहना की है। पोस्ट के दूसरे हिस्से में युद्ध का विरोध किया गया। उन्होंने कहा कि युद्ध सबसे ज्यादा नुकसान गरीब लोगों को पहुंचाता है। वह मानते हैं कि ऐसे हालात में युद्ध को टाला नहीं जा सकता, लेकिन यह भी कहते हैं कि सैन्य कार्रवाई से कोई राजनीतिक समस्या हल नहीं होती। उनकी फेसबुक पोस्ट का तीसरा हिस्सा सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसमें लिखा है कि कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह को सैन्य कार्रवाई की जानकारी देने की जिम्मेदारी सौंपना देखने में महत्वपूर्ण है, लेकिन इस भाव को जमीन पर वास्तविकता में बदलना चाहिए, वरना यह एक पाखंड बनकर रह जाएगा। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी की तारीफ करने वाले दक्षिणपंथियों को चुनौती दी है कि उन भारतीय नागरिकों की रक्षा के लिए भी आगे आएं जो मॉब लिंचिंग और बुलडोजर के मनमाने उपयोग के शिकार हैं। तीसरा उदाहरण राजस्थान का है। राजस्थान के बारां जिले की अंता विधानसभा से भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने 20 साल पुराने आपराधिक मामले में उनकी तीन साल की सजा को बरकरार रखते हुए निगरानी याचिका खारिज कर दी।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 29 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

आचार्य श्री अतिवीर मुनिराज जी का 2 वर्षों बाद रोहिणी आगमन

दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज का लगभग 2 वर्ष 3 माह पश्चात् राजधानी दिल्ली की धर्मनगरी रोहिणी में मंगल आगमन होने जा रहा है। इस खबर से समस्त रोहिणी-पीतमपुरा जैन समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई है। उल्लेखनीय है कि रोहिणी के विभिन्न सेक्टरों से जैन समाज के प्रतिनिधि मण्डल समय-समय पर आचार्य श्री के समक्ष उपस्थित होकर रोहिणी आगमन हेतु निवेदन करते आ रहे हैं। अब लगभग 2 वर्षों पश्चात् पूज्य आचार्य श्री का दिनांक 10 जून 2025 को रोहिणी क्षेत्र के प्रवेश द्वार श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, सेक्टर-8 में भव्य मंगल आगमन होने जा रहा है। आचार्य श्री के परम पावन सान्निध्य में यहां भव्य शिखर कलशारोहण महामहोत्सव का मंगल आयोजन किया जा रहा है। समस्त मांगलिक क्रियाएं ब्र. जय कुमार जैन %निशांत% (टीकमगढ़) के दिशा-निर्देशन में विधि-विधान पूर्वक संपन्न होंगें। आचार्य श्री के आगमन को लेकर समस्त समाज अत्यंत उत्साह के साथ तैयारियों में लगा हुआ है। -**समीर जैन**

कबीर कल्याण आश्रम भिलाई में मनाया कबीर का प्राकट्य दिवस

आरंग (विश्व परिवार)। सोमवार को कबीर कल्याण आश्रम भिलाई में सद्गुरू कबीर साहेब का प्राकट्य दिवस मनाया गया। जिसमें कबीर के विचारों पर संतो ने प्रकाश डाला।इस अवसर पर कबीर आश्रम कोलियारी भखारा से संत अवध साहेब ने कबीर के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा संत कबीर मानवता के पुजारी थे। छूआछूत, जात-पात आडंबरवाद को उन्होंने दूर किया तथा अपने जीवन काल में मानव मात्र को एक समान बताया है। वहीं संत विजयेन्द्र साहेब ने कबीर की वाणी पर प्रकाश डालते हुए कहा छत्तीसगढ़ में कबीर के विचारों का गहरा प्रभाव है। आज भी छत्तीसगढ़ के गांव गांव में कबीर के अनुयाई देखें जा सकते हैं। कबीर के विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक है।इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू पहुंचकर सत्संग कार्यक्रम में शामिल होकर संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा अंचल के सत्संग प्रेमियों की उपस्थिति रही।

देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर जोन क्र-5 में रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में जोन क्रमांक 5 के द्वारा रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देवी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती पर जोन आयुक्त, सहायक राजस्व अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकार, नगर निगम के समस्त कर्मचारियों एवम स्वच्छता दीदीयों का स्वास्थ्य परिक्षण कराया गया

साधर्मी बन्धुओ के प्रति सद्भावना रखना, उनको सहयोग देना प्रत्येक जैनी का कर्त्तव्य है : मुनिश्री समतासागर जी महाराज

विदिशा (विश्व परिवार)। साधर्मी वातसल्य सम्यक् दर्शन का एकअंग है साधर्मी वंधुओ के प्रति सदभावना रखना उनको सहयोग दैना प्रत्येक जैनी का कर्तव्य है उपरोक्त उद्गार निर्यापक श्रमण मुनिश्री समतासागर जी महाराज ने प्रात:कालीन धर्मसभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि एक सम्यक् दृष्टि के पास दुर्भावना का कोई स्थान नहीं होता वह तो संसार के सभी प्राणियों के प्रति सदभावना रखता है, किसी के प्रति दुर्भावना रखना धर्म नहीं माना गया है, कोई व्यक्ति यदि कुमार्ग को नहीं छोड़ रहा है तो हम उसे समझा सकते है लेकिन हम ही यदि उसकी निंदा या बुराई करने लग जाऐंगे तो यह हमारा धर्म नहीं है वंहा पर मध्यस्थ भाव रखना चाहिये, उन्होंनेमेरी भावना की ये पक्तियां गुणी जनों को देख हृदय में मेरे प्रेम उमड़ आवे, बने जंहा तक उनकी सेवा करके यह मन सुख पावे गुणिओं के प्रति दीन दुखियों के प्रति करुणा का भाव, विपरीत पृवत्ति बालों के प्रति माध्यस्थ भाव तथा संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति प्रेम का भाव रखना चाहिये। मुनि श्री ने कहा प्रेम भाव हो सब जीवों से, गुणी जनों में हर्ष प्रभु, करूणा स्त्रोत वहे दुखियों पर दुर्जन में मध्यस्थ विभु ये भावनायें सम्यक् दर्शन के परिचायक है। मुनि श्री ने कहा कि आप सभी सम्यक् दर्शन की भावना से ओतप्रोत है और उसी भावना के साथ सम्यक् ज्ञान भी आपके पास है शास्त्रों का सार तो आप सभी समझते ही है जो दिखाई देता है वह अपना तत्व नहीं है, जो अपना तत्व है वह दिखाई नहीं देता है।

भव्य आत्मा अपने परिणामों से दान, पूजा, अभिषेक तथा अभक्ष्य बस्तुओं का त्याग करता है तथा अपने खान पान की मर्यादा को रखता है तथा ईर्यापथ का ध्यान रखते हुये अपने उठने बैठने का ध्यान रखते हुये किसी भी जीव को कष्ट नहीं पहुंचाता इस अवसर पर मुनि श्री पवित्र सागर जी, मुनि श्री पूज्यसागर जी, मुनि श्री अतुल सागर जी, ऐलक श्री निश्चयसागर जी, ऐलक श्री निजानंद सागर जी क्षु.श्री संयम सागर जी महाराज सहित समस्त आर्यिकासंघ उपस्थित थे।

मुनिसंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं गुणायतन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र जैन छावड़ा ने बताया सन-1997 में सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर में29 आर्यिका दीक्षा संपन्न हुई थी वर्तमान में आर्यिका संघ में सात माताजी क्रमश: आर्यिका सकलमति जी, आर्यिकासंयममति जी, आर्यिका सारमति जी, आर्यिका सिद्धमति जी, आर्यिका सौम्यमतिजी, आर्यिका समुन्तमति जी, आर्यिका शास्त्र मतिजी का दीक्षा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ऐलक श्री निश्चयसागर महाराज एवं संघस्थ बाल ब्र.अनूप भैया ने मधुर स्वर लहरियों के साथ संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागरजी महाराज एवं अभिनव आचार्य समय सागर महाराज की संगीत मय पूजन की गई। तत्पश्चात गुरुमति माताजी, दृणमति माताजी के नेतृत्व में आर्यिकासंघ ने मुनिसंघ की त्रयबार परिक्रमा की एवं शास्त्र भेंट किये। -**अविनाश जैन**

देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में नगर निगम में उनकी जीवनी पर प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रायल रायपुर द्वारा विभिन्न अयोजन करने के निर्देश प्राप्त हुए थे। निर्देश के अनुक्रम में आज नगर निगम के सभागृह में महिलाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत अहिल्या बाई होल्कर की जीवनी पर प्रदर्शनी लगाकर संगोष्ठी आयोजित की गई। निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने जयंती मनाने शासन के दिशा निर्देश की जानकारी दिये, वही ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक श्री अमोद श्रीवास्तव ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रोजेक्टर के माध्यम से होल्कर जी की जीवन गाथा का चित्रण दिखाया गया तथा उनकी जीवनी संबंधी पत्रिका वितरित की गयी। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में राज्य शासन द्वारा 21 मई से 31 मई के बीच विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश प्राप्त हुए है।

श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान प्रतिष्ठा महोत्सव का भक्तिभाव से समापन, विश्वशांति महायज्ञ से गूँजा वातावरण

नूवीन वेदी में श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान विराजमान

ब्यावर (विश्व परिवार)। अजमेर रोड़ स्थित सुधा सागर कॉलोनी स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान की मंज्जिनेन्द्र जिनबिंब वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आज आस्था और भक्ति के साथ भव्य समापन हुआ। इस पावन अवसर पर आयोजित विश्वशांति महायज्ञ की दिव्य ऊर्जा से समूचा वातावरण गूँज उठा, मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो।

यह महोत्सव संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज की पावन प्रेरणा, आचार्य गुरुदेव 108 श्री समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद और निर्यापक श्रमण मुनि पूज्य श्री 108 सुधासागर जी महाराज के दिव्य मार्गदर्शन का स्वर्णिम प्रतिफल रहा।

समाज के मीडिया संयोजक अमित गोधा ने बताया कि आज का दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान को नूतन वेदी में विराजमान करने और स्वर्ण रजत से प्रथम कलश करने का सौभाग्य तरूण रजनी जी अनुराग प्रतीक्षा काला (मुंबई प्रवासी) को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात् द्वितीय कलश व शान्ति धारा करने का सौभाग्य सुमन सीमा अनुपम हीना धगडा परिवार को मिला।

श्रीजी की चारों प्रतिमाओं को विराजमान करने का पुण्य लाभ निर्मलकुमार भुवन मनीष शाह (मांडलगढ़ वाले), पदमचंद जी जितेन्द्र कुमार गंगवाल श्रीमति शकुंतला देवी, अभिषेक पाटनी, श्रीमति शरबती देवी और विनोदकुमार काला (पीसांगन वाले) ने प्राप्त किया। श्रीजी को सिंहासन भेंट करने का सौभाग्य पारसमल टीकमचंद कासलीवाल परिवार को मिला, जबकि श्रीजी पर छत्र भेंट श्री मुकुट बिहारी जी, धर्मेन्द्र जी और संदीप जी जैन परिवार द्वारा की गई।

प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया (अशोक नगर), प. अरुण जी शास्त्री और प. घनश्याम जी शास्त्री के सान्निध्य में हुए विश्वशांति महायज्ञ ने उपस्थित सभी भक्तों को असीम शांति और ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

समाज के मंत्री नितिन छाबड़ा ने बताया कि आज प्रात:काल में मंगलाष्टक, दिग्वंधन, क्षमामंत्र, शांतिमंत्र के साथ नित्यनियम अभिषेक, शांतिधारा पूजन और विश्वशांति महायज्ञ जैसे पवित्र विधान संपन्न हुए, जिनसे वातावरण शुद्ध और पावन हो उठा। नूतन वेदी में श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान के विराजमान होने के बाद अष्टमंगल द्रव्यों के साथ विधिवत पूजा की गई।

शाम को संगीतमय महाआरती भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई और 1008 दीपों से महाआरती तथा भक्तामर दीप अर्पणा से मंदिर प्रांगण जगमगा उठा, मानो तारों का समूह धरती पर उतर आया हो। सकल दिगम्बर जैन समाज के लिए वात्सल्य भोजन का अनुपम आयोजन किया गया, जो सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण बना।

इस अवसर पर श्री मारवाड़ी समाज द्वारा तरूण रजनी अनुराग, प्रतीक्षा काला सुमन सीमा अनुपम हीना धगडा परिवार का तिलक लगाकर, माला और साफ़ा पहनाकर बहुमान किया गया। सकल जैन समाज के लिए प्रात: वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया, जो एकता और सौहार्द का प्रतीक बना।

जहाज मंदिर से सवा करोड़ का आभामंडल चुराने वाला गिरफ्तार, पांच दिन बाद पुलिस की पकड़ में आया

जहाजपुर (विश्व परिवार)। 22 मई की रात को जहाजपुर के जहाज मंदिर स्वस्तिधाम में सवा करोड़ मूल्य का आभा मंडल चुराने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस ने चोरी के मास्टरमाइंड और उसके साथी को गिरफ्तार किया है।

प्रारंभिक तौर पर मिली जानकारी के मुताबिक चोरी का मास्टरमाइंड पारस चैनल का फोटोग्राफर ओर बूंदी जिले के ढाबलान निवासी राज गुर्जर बताया जा रहा है। पुलिस ने इसेओर इसके एक साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोर को पकड़ने के साथ ही इससे करोड़ों का आभा मंडल, श्री यंत्र और रजत कछुआ भी बरामद किया है। जहाजपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध जैन मंदिर स्वस्तिधाम में शकवार रात भगवान की प्रतिमा से सवा करोड़ का प्रतिमा से आभामंडल चुराता युवक सीसीटीवी में कैद हुआ था। जहाजपुर के जहाज मंदिर स्वस्ति धाममें सवा करोड़ मूल्य का आभा मंडल चुराने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस ने इसे ओर इसके एक साथी को गिरफ्तार किया है। इस व्यक्ति ने आम पब्लिक के साथ दर्शनार्थी बनकर एंट्री ली थी, मंदिर मेंएंट्री लेने के बाद ये मंदिर परिसर में छुपा रहा।रात करीब 3-30 के लगभग यह प्रतिमा के पास गया और यहां से आभामंडल चुरा लिया 7 आभामंडल चुराने के बाद येएक चुन्नी की सहायता से खिड़की से मंदिर परिसर से बाहर निकल गया। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे औरजांच शुरू करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की। इसमास्टर माइंड के साथ इसका एक अन्य साथी भी वारदात में शामिल रहा। इन्हे पकड़ने के लिए पुलिस ने टीमों का गठनकिया ओर लगातार पीछा करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसमें एसपी सिटी भीलवाड़ा ङ्क धर्मेंद्र यादव एडिशनल एस. पी पारस जैन भीलवाड़ा जहाज़पुर डिप्टी- नरेन्द्र पारीक जहाज़पुर सी आई ङ्क राजकुमार नायक व साइबर क्राइम टीम का विशेष सहयोग रहा क्षेत्र कमेटी ने उनका आभार जताया एवं स्वस्ति भूषण माता जी के सानिध्य में इनको सम्मानित भी किया गया।

प्राकृत भाषा सीखना बहुत ही आनंददायी रहा, हुआ शिक्षण शिविर का भव्य समापन समारोह

टीकमगढ़ (विश्व परिवार)। टीकमगढ़ अहिंसा स्थल श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित 19 से 26 मई 2025 तक आयोजित प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर का समापन हुआ। जिसमें करीब 150 शिविरार्थियों को पुरस्कृत किया गया। सभी शिविरार्थियों ने बड़े ही उत्साह के साथ प्राकृत भाषा को सीखा। शिविरार्थियों ने अपने अनुभव व्यक्त करते हुए कहा कि प्राकृत हमारी मूल भाषा है जिसे सीखना सहज सरल है। ऐसे शिविरों का आयोजन वर्ष में दो बार होने चाहिए ताकि हम लोग इसे व्यवहार में ला सकें।

शिविरार्थियों ने पढ़ने और बोलने में रुचि उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका ब्रह्मचारिणी मानी दीदी की रही उन्होंने व्याकरण के माध्यम से प्राकृत भाषा में प्रवेश कराया और उच्चारण करना भी सिखाया, सीखते हुए उन्हें बड़ा ही आनंद आया और वह व्यवहारिक भाषा में इसका प्रयोग करने लग गए। इस अवसर पर डॉ नरेंद्र जी क्षेत्रीय संयोजक डॉ निर्मल शास्त्री स्थानीय संयोजक दीपिका जैन के साथ श्रीमती मोना जैन धर्मेंद्र जैन राजेश जी भागचंद जी प्रदीप जी मनोज जी रेखा जी, अनुपम जी जयदीप जी जिनेश जी, सुरेन्द्र जी, भूपेंद्र जी, जयजी, वीरेंद्र जी, जगदीप जी, शैलेन्द्र जी, अनिल जी आदि अनेक लोगों के साथ महिला मंडल भी उपस्थित रहें।

डॉ निर्मल शास्त्री ने शिविर के महत्व और प्राकृत भाषा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय संयोजक डॉ आशीष आचार्य, शैलेन्द्र जी, सोनल जी, विजय जी, ऋषभ जी फौजदार आदि ने अपनी उपस्थिति आंनलाईन निरीक्षण कर दी।

प्राकृत भाषा शिविर के दौरान नैनागिर सिद्ध क्षेत्र की धार्मिक यात्रा भी करवाई गई।

सुशासन समाधान शिविर में ड्राइविंग लाइसेंस, नया नबंर प्लेट, आधार एवं आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए लोगो में अच्छा उत्साह

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। समाधान शिविर वार्ड क्रं. 49 डोम शेड श्रीराम चौंक ग्राउण्ड में आयोजित किया गया, जिसमें वार्ड के नागरिक उपस्थित हुए। नागरिकों ने पूर्व में सुशासन समाधान शिविर में आवेदन किए थे। उस आवेदन पर क्या कार्रवाई हुई इसकी जानकारी आवेदकों को दी गई। शिविर में 3 गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार, 6 कुपोषित बच्चों को सुपोषित किट वितरण किए। शिविर के दौरान नये ड्राईविंग लाइसेंस एवं 2019 के पूर्व गाड़ियों का नए नबंर प्लेट के लिए युवाओं का रूझान ज्यादा दिख रहा था। उन्हे इस बात की खुशी थी कि हमारा ड्राईविंग लाइसेंस बहुत आसानी से बन जा रहा है। मात्र आधार कार्ड या वोटर आई.डी. कार्ड, पेन कार्ड या दसवीं के मार्कशीट के आधार पर वह भी बहुत कम शुल्क में बन रहा है। मात्र लागत आवेदन शुल्क 100 रूपये कार व बाईक का। आनलाईन लाईसेस प्रिंट सेवा शुल्क 50 रूपया। दस्तावेज स्केनिंग एवं अपलोड हेतु 5 रूपये प्रति पेज, फार्म दस्तावेज प्रिंट आउट शुल्क 5 रूपये। परिवहन विभाग को देय शुल्क 205.90 रूपया। कार व बाईक के लिए 355.90 रूपया इस प्रकार कुल खर्च बाईक के लिए 450 एवं बाईक व कार के लिए 600 रूपये लग रहा था। 22 वर्षीय छात्र आशीष देशमुख ने बताया कि इसी कार्य के लिए हम एजेंट के पास जाते है तो 2500 से 3000 रूपये खर्चा आता है। हम मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते है कि इतने सस्ते एवं आसानी से हम सबका ड्राइविंग लाईसेंस कम शुल्क में शुसाासन शिविर में बन जा रहा है।

जोन क्रं. 04 शिवाजी नगर में शिविर के दौरान मांग एवं शिकायत से संबंधित कुल 220 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसका निराकरण करने जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे ने सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किए हैं। शिविर के दौरान 32 आधार कार्ड बने, 78 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ, 16 लोगो का नया ड्राईविंग लाइसेंस बना। 8 लोगो का नया नबंर प्लेट लगा, 6 लोगो को नया राशन कार्ड जारी किए। शिविर के दौरान उपनेता प्रतिपक्ष दया सिंह, एमआईसी सदस्य रीता सिंह गेरा, वार्ड पार्षद श्याम सुंदर राव, के जगदीश, शुभम झा, सरिता देवी, गिरजा बंछोर, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, अलिन सिंह, सहायक अभियंता प्रिया खैरवार, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी आदि उपस्थित रहे।

आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज का समाधि दिवस मनाया गया

आचार्य श्री के साहित्य को मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज लायें प्रकाश में : विजय धुर्रा

आचार्य श्री के रूप में जीवंत चर्या दिखाने वाले महा संत मिले

अशोकनगर (विश्व परिवार)। जैन दर्शन के प्रकांड विद्वान से आचार्य श्री ज्ञानसागर मुनि महाराज विद्वान पंडित से संत वनने की लम्बी यात्रा का प्रत्येक पहलू मानाव समाज को कुछ ना कुछ सीख देता है उनके द्वारा रचित साहित्य का प्रकाशन व प्रचार प्रसार मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के राजस्थान प्रवेश के बाद हुआ आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज ने मां भारती की भरपूर सेवा करते हुए संस्कृत साहित्य को समृद्ध करने हेतु तीन नहीं चार चार संस्कृत में महा काव्यो की रचना की उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज में आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के तैरेपन वे समाधि दिवस पर विनियिजलिं समर्पित करते हुए जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने व्यक्त किए।

इसके पहले आज गंज मन्दिर में धर्म सभा का प्रारंभ ट्रस्ट कमेटी के राजेश कासल के मंगल गान के साथ हुआ जहां आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन जैन समाज के वरिष्ठ विमल कोटिया राजकुमार कासल राकेश कासंल नितिन वज नीलेश बड़कुल डव्वू जैन नीरज जैन पठा विट्ठू वर्तन प्रियेश विमल श्री सहित अन्य भक्तों द्वारा किया गया इसके पहले भगवान को पूरे विधि-विधान के साथ पांडूक शिला पर विराजमान कर भगवान के कलशाभिषेक के साथ जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई।

आचार्य श्री के चरणों में किया अर्घ्यो का समर्पण- इसके बाद भक्तों द्वारा भगवान का अभिषेक किया गया तद उपरांत आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चरणों में अर्घ्यो का समर्पण किया गया इस दौरान राजेश कासल ने कहा कि इस युग को आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज जैसी जीवंत कृति मिली उन्ही के उपकारों से इस नगर में धर्म का ध्वज स्थिति करने वाले निर्यातकश्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराजजैसे संतके समागम आज जो भी हमने सीखा वह सब उन्ही की देन है जो हमें परम्परा से मिलता चला जा रहा है इसके बाद प्रभु की आरती भक्ति श्रद्धालुओं द्वारा की गई।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के फार्म का किया विमोचन- श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के सहयोग से श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में दो जून से होने वाले दस दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के फार्म का विमोचन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष प्रदीप तारई महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई संयोजक उमेश सिघई विपिन सिंघई हेमंत टडैया नितिन वज आर जे जैन सहित अन्य प्रमुख जनो दारा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बीएससी नर्सिंग की परीक्षा आज

कोरबा (विश्व परिवार)। छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित बीएससी नर्सिंग की परीक्षा गुरूवार 29 मई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित होगी। इसके लिये कोरबा जिले में छः परीक्षा केंद्र- शा.इं.वि. स्नातकोत्तर महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा, निर्मला इंग्लिश हायर सेकण्डरी स्कूल रिसदी, इंन्सट्यूट आफ टेक्नोलाजी झगरहा, सेंट फ्रांसिस इंग्लिस मिडियम स्कूल नकटीखार, सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल आईटीआई रामपुर एवं न्यू एरा प्रोग्रेसिव स्कूल तहसील कार्यालय के पीछे रामपुर कोरबा को बनाया गया है। इन परीक्षा केन्द्रों में कुल 2042 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र में दिये गये महत्वपूर्ण निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए शासकीय ईव्हीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केन्द्र बनाया गया है। जिसका कांटेक्ट नंबर 9827488964 एवं 9826331942 है। कलेक्टर कार्यालय कोरबा के कक्ष क्रमांक 06 वरिष्ठ लिपिक/परीक्षा शाखा में कंट्रोल रूम स्थापित कर कर्मचारी संतोष कुमार यादव मो.नं. 7746859432 एवं ज्योति वेंकेटेश्वलू मो.नं. 6263108903 की ड्यूटी परीक्षा दिवस को प्रातः 9 बजे से परीक्षा समाप्ति तक लगाई गई है। उक्त परीक्षा के निरीक्षण हेतु उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है और ब्रिफिंग हेतु 28 मई को दोपहर 12 बजे शासकीय पीजी कालेज कोरबा में बैठक रखी गई है।

ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पंजीयन प्रारंभ

जशपुरनगर (विश्व परिवार)। आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी अनुसार सरगुजा जिला में संचालित समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई, एवं पॉलिटेक्निक आदि के प्राचार्य/संस्था प्रमुख, छात्रवृति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति की पात्रता रखते हैं, उनके लिए शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृत एवं वितरण की कार्यवाही श्चश्वह्यह्लद्वड्डह्लह्द्ध- ह्यष्द्धश्चद्यड्डह्म्ह्यद्धद्बश्च.ष्द्ग.ठ्ठद्ब.द्वठ्ठ वेबसाइट पर की जा रही है। जिसके अंतर्गत विभाग विभाग द्वारा 2025-26 में नवीनीकरण आवेदन प्राप्त करने की तिथि 31 मई, 31 अगस्त, 30 नवम्बर 2025 तथा नवीन अवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त, 30 सितम्बर एवं 30 नवम्बर 2025 तक है। विद्यार्थियों को उनके आधार सीडेड बैंक खाते में भुगतान 07 कार्य दिवस में प्राप्त होगा।

निर्धारित तिथि के पश्चात सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जाएगा। ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक एवं सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा।

कलेक्टर लंगेह ने ली समय सीमा की बैठक

महासमुंद (विश्व परिवार)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त लंबित आवेदनों के अतिशीघ्र निराकरण हेतु सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री एस. आलोक, अपर कलेक्टर श्री रवि साहू, अनुविभागीय अधिकारीगण एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। यह अभियान 5 जून से 30 सितंबर तक चलेगा, जिसके अंतर्गत स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन, अमृत सरोवर, तालाबों एवं माइनिंग क्षेत्रों में फलदार पौधे लगाए जाएंगे।

लोकमान्य तिलक वार्ड में आयोजित समाधान शिविर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव, सांसद महेश कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि हुए शामिल'

सरकार का जनता से सीधे संवाद का सशक्त माध्यम समाधान शिविर है किरण देव

जगदलपुर (विश्व परिवार)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में आयोजित समाधान शिविर मे जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। हमारी सरकार की मंशा जनता के पास सरकार पहुंच कर उनकी समस्या का समाधान का निर्णय लिया। जिसमें सभी विभाग समाधान शिविर में उपस्थित होकर जनता की समस्याओं को समाधान करने का कार्य कर रहे हैं। समाधान शिविर जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य कर रही है।? श्री देव ने कहा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचे और प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सभी की सहभागिता हो। हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सोच सरकार देवतुल्य जनता के पास जायें जिसका सशक्त माध्यम समाधान शिविर होता है। इसी उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन किया शहर तथा पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। हमारे समस्त देवतुल्य जनता ने आवेदनों के माध्यम से अपनी मांग रखी है जिसका विभागों द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण किया गया और समाधान शिविर में जानकारी दी जा रही है। श्री देव ने कहा कि सुशासन तिहार में आवेदनों का निराकरण जिस तेजी के साथ किया गया यह सतत रूप से मानिटरिंग सरकार द्वारा किया जा रहा है। सरकार इस दिशा में लगातार सार्थक प्रयास करेगी। उन्होंने नागरिकों से शासन की जनहितकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर विकास में सहभागी बनने का आग्रह किया। श्री किरण देव ने सोमवार को नगर पालिक निगम जगदलपुर के लोकमान्य तिलक वार्ड में जलनी माता मंदिर परिसर में आयोजित समाधान शिविर को सम्बोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने कहा कि राज्य सरकार जनता के हित में कटिबद्धता के साथ सजगता में रहकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की हर गारंटी को पूरा करने का कार्य किया जा रहा है। सुशासन तिहार का मकसद हमारे जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्या-मांग का निराकरण त्वरित रूप से करना है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से हर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना है। जो जनता का जुड़ाव इन शिविरों में होने के साथ ही उनकी व्यापक सहभागिता को दर्शाता है। उनकी समस्या निदान करने सहित जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा भी ले रहे हैं। उन्होंने जगदलपुर नगर निगम में विकास कार्यों को सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि नागरिकों की बुनियादी सुविधाओं के साथ ही राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत आवास निर्माण, महतारी वंदन योजनांतर्गत हितग्राहियों का चयन आदि के लिए वार्ड पार्षदों को सकारात्मक पहल किए जाने कहा। साथ ही नागरिकों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए आग्रह किया।

वहीं सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा सुशासन तिहार के अंतर्गत जनता की समस्या-मांगों के निराकरण के बारे में अवगत कराया और कहा कि निगम प्रशासन लगातार जनता की समस्याओं को अवगत होकर उसका समाधान कर रही है। हमारी सरकार जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण कर रही है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

गरियाबंद (विश्व परिवार)। कलेक्टर बी एस उइके ने जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आये लोगों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर श्री उइके ने आज जनदर्शन में 50 लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में ग्राम सेम्हरडीह के देवानन्द सेन ने भूमि सीमांकन करने, ग्राम सड़कपरसुली के भुनेष्वर यादव ने पीएम आवास योजना की द्वितीय किष्त दिलाने, ग्राम कनसिंघी की सगनीबाई ने तालाब बनाने, ग्राम सिर्रीखुर्द की निरूपाबाई ने रसोईया के पद में यथावत रखने, ग्राम तर्रा की टिकेष्वरी साहू ने प्रधानमंत्री आवास प्रदान दिलाने, ग्राम घटकर्रा के पंचराम ध्रुव ने टीए डीए की राशि प्रदाय करने, ग्राम भेण्ड्री के मिलन साहू ने जमीन संबंधित समस्या हेतु, ग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट के सरपंच ने मनरेगा योजना के तहत पहुंच मार्ग निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने, बिहान उत्थान सखियों ने मानदेय राषि दिलाने, ग्राम गोनबोरा की मानबाई ने ऋष्ण पुस्तिका दिलाने, ग्राम घुटकुनवापारा की खूषबू निषाद ने विललांग पेंषन दिलाने, ग्राम निसेनीदादर के ग्रामवासियों ने स्ट्रीट लाईट लगवाने, ग्राम लोहरसी के षिवकुमार साहू ने ऑनलाईन रिकार्ड में नक्षा त्रुटि सुधार करने और छुरा के रामाधार सिंह ने मुआवजा दिलाने संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये है। इस पर कलेक्टर श्री उइके ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

बहुआयामी था अहिल्या बाई का व्यक्तित्व - शशि पवार

ऑपरेशन सिंदूर से बचा नारी का स्वाभिमान -कविंद्र जैन

धमतरी (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी मंडल भोथली की मंडल स्तरीय संगोष्ठी ग्राम छाती में संपन्न हुई। गोष्ठी में अहिल्या बाई होल्कर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा के साथ साथ ऑपरेशन सिंदूर एवं एक देश एक चुनाव पर भी वक्ताओं ने अपने विचार रखे। रानी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शशि पवार ने बताया कि रानी होल्कर का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने अपने 30 वर्ष से अधिक के शासनकाल में राज्य के उत्थान के लिए हर क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। प्रजा से सतत संवाद, सबके लिए समान न्याय, अन्य राज्यों से कूटनीतिक संबंध, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने जैसे सभी कार्यों के साथ साथ नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया। चारों धाम, बारह ज्योतिर्लिंगों सहित अनेक धार्मिक धरोहरों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराकर उन्होंने देश को जोड़ने का काम किया। मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष कविंद्र जैन ने कहा कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता एवं भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली भी रानी अहिल्या बाई से बहुत अधिक प्रेरित है। उन्होंने भी देश के धार्मिक धरोहरों को नई पहचान दी। हर क्षेत्र में भारत का स्वाभिमान बढ़ाया है। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने देश की नारियों का सिंदूर उजाड़ कर चुनौती दी। जिसका बदला भारत ने पहले सिंधु जल समझौता समाप्त कर तथा उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर चला कर लिया। आजादी के बाद पहली बार भारत ने पाकिस्तान के घर में घुस कर आतंकियों के लगभग सभी बड़े ठिकानों को नेस्तनाबूद किया। आतंकियों के बचाव में आई पाकिस्तान सेना के हर हमले को भारत की रक्षा प्रणाली ने बखूबी विफल किया। जवाबी कार्यवाही में भारत ने पाकिस्तान की न सिर्फ रक्षा प्रणाली को ध्वस्त किया अपितु उस के अनेक बड़े एयरबेस और सैन्य ठिकानों को लक्ष्य बनाकर सटीक हमला किया।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड : आधार से मोबाईल नंबर लिंक होने पर ही मिलेगा 5 लाख रूपये तक का मुफ्त उपचार

धमतरी (विश्व परिवार)। जिले के 70 और उससे अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड के जरिए 5 लाख रूपये तक का मुफ्त उपचार की सुविधा मिलेगी। इसके लिए उन्हें आधार से मोबाईल नंबर लिंक कराना होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू. एल. कौशिक ने बताया कि जिले में बुजुर्ग आधार कार्ड और आधार लिंक मोबाईल नंबर सहित स्वयं उपस्थित होकर पंजीयन करा रहे हैं, किन्तु पंजीयन टीम को कई पात्र वरिष्ठ नागरिकों का आधार कार्ड अपडेट नहीं होने के कारण कार्ड पंजीयन करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिले के सभी 70 और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को नजदीकी आधार सेवा केन्द्र में जाकर अपने आधार कार्ड में घर अथवा स्वयं का ही कोई एक्टिव मोबाईल नंबर को अनिवार्य रूप से लिंक कराने की अपील की है, ताकि 24 घंटे के भीतर आधार अपडेट हो जाए। इससे आयुष्मान वय वंदना योजना के अलावा भी शासन की अन्य योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। गौरतलब है कि जिले में वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड लगातार बनाया जा रहा है।

सड़क किनारे अतिक्रमण करके सामान रखने वाले दुकानदारों के विरुद्ध की जाए कार्यवाही : कलेक्टर

कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में दिये निर्देश

कोरबा (विश्व परिवार)। कलेक्टर अजीत वसंत ने समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने शहर में सड़क, मुख्य मार्ग के किनारे दुकानदारों के बढ़ते अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए बैठक में अनुविभागीय अधिकारी को निर्देश दिए कि बाजारों में नगर के सड़क, व मुख्य मार्ग के किनारे दुकानदारों और व्यापारियों के द्वारा अतिक्रमण करने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने पुलिस एवं नगर निगम के द्वारा संयुक्त कार्यवाही करके सामान जब्त, स्थाई अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये उन्होंने कहा कि सड़क व मुख्य मार्ग के किनारे दुकानदारों और व्यापारियों के द्वारा अपना सामान दुकान के सामने बिक्री हेतु रख लिया जाता है जिससे यातायात प्रभावित होता है और आम नागरिकों को चलने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही दुर्घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है। कलेक्टर ने श्रम विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र व्यक्तियों के ही गरीबी रेखा श्रेणी के राशन कार्ड बनाए जावे। उन्होंने कहा कि केवल श्रम कार्ड के आधार पर गरीबी रेखा श्रेणी के राशन कार्ड न बनाए जाएं। राशन कार्ड के लिए हितग्राही की आर्थिक स्थिति, उपलब्ध संसाधन आदि का सत्यापन किया जावे।

कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में तम्बाकू निषेध अभियान चला कर जागरूकता बोर्ड लगाए जावे। उन्होंने सभी कार्यालयीन प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालयों में कार्यप्रणाली उन्नत करने, जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अपनी शाखाओं का औचक निरीक्षण करें।

उन्होंने सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में प्राप्त पेंशन,वन अधिकार और राशनकार्ड के आवेदन पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि प्रकरणों का निराकरण निश्चित समय अवधि में किया जाए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत ने एसडीएम को निर्देशित किया कि स्कूली विद्यार्थियों सहित आंगनबाड़ी केंद्र से इस सत्र में विद्यालय जाने वाले आरक्षित वर्ग के बच्चों का जाति प्रमाणपत्र 15 जून के पूर्व बना लिए जाएं।

भाजपा के बस्तर जिले के 12 मंडलों की कार्यकारिणी की घोषणा

भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने जिले के 12 मण्डलों की कार्यकारिणी घोषित की

जगदलपुर पश्चिम मण्डल में संजय चंद्राकर व अतुल सिम्हा संभालेंगे महामंत्री का दायित्व

जगदलपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी ने बस्तर जिले के 12 मंडलों की संपूर्ण कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। जिसमें जगदलपुर पश्चिम मंडल, भानपुरी मंडल, बकावण्ड मंडल,तोकापाल मंडल, नानगूर मंडल, दरभा मंडल, करपावण्ड मंडल, सरगीपाल मंडल, बस्तर मंडल, नगरनार मंडल, बास्तानार मंडल एवं लोहण्डीगुड़ा मंडल शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की अनुशंसा से एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति से भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डे ने मंगलवार को बस्तर जिले के 12 मंडलों की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की है।

जगदलपुर पश्चिम मंडल में अध्यक्ष प्रकाश झा, महामंत्री अतुल सिम्हा एवं संजय चन्द्राकर, उपाध्यक्ष सुधा मिश्रा, योगेश शुक्ला, शशीनाथ पाठक, दशरथ गुप्ता बनाये गए हैं। मंत्री के रूप में सूर्यभूषण सिंह, अविनाश गौतम, मायारानी बरई, गायत्री कश्यप और कोषाध्यक्ष आशा साहू व कार्यालय मंत्री दिलीप सुन्दरानी एवं सोशल मीडिया प्रभारी बृजेश शर्मा को बनाया गया है। इनके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में 31 नामों को स्थान दिया गया है।

भानपुरी मंडल में अध्यक्ष प्रवीण सांखला, महामंत्री खेमेश्वर पाण्डे व तुलसु कश्यप, उपाध्यक्ष भास्कर जोशी, बुधूराम कश्यप, नीलकुमारी बघेल, जयंती पाण्डे, मंत्री रमेश दीवान, नीलावती मौर्य, तीरसिंह बघेल, कान्ति कश्यप, कोषाध्यक्ष श्यामसुन्दर कश्यप, कार्यालय मंत्री शिबु साह, सोशल मीडिया प्रभारी घनश्याम चौहान, आईटी सेल प्रमुख नरपति कुंजाम को बनाया गया है। बकावण्ड मंडल में अध्यक्ष पिताम्बर कश्यप, उपाध्यक्ष श्रीमती चिंतामणी पाण्डे,धनमती बिसाई, रामजी नायक व निरंजन चन्द्राकर, महामंत्री अनिल बिसाई व रणवीर सिंह बैस,कोषाध्यक्ष जगरनाथ ठाकुर, मंत्री श्रीमती खिजेश्वरी, बैजंती दास,तमेन्द्र बिसाई, प्रशांत सिंह बनाये गए हैं। तोकापाल मंडल में अध्यक्ष सोमारू राम कश्यप, उपाध्यक्ष मिटकुराम बघेल,अनंतराम कश्यप, दीनदयाल मौर्य, भानुमति यादव, महामंत्री मेघराज सिंह ठाकुर व मुन्नालाल कश्यप, मंत्री सोनमती घोष, शांति नाग,तनसिंह यादव, संतुराम कश्यप, कोषाध्यक्ष रैमती कश्यप , कार्यालय प्रभारी मेहतर सेठिया एवं मीडिया प्रभारी दिनेश वर्मा को बनाया गया है।

नानगूर मंडल में अध्यक्ष हरिराम मण्डावी, उपाध्यक्ष मानसिंह नाग, डमरू भारती, जयमन शर्मा, कमलकुमारी सेठिया, महामंत्री चन्द्रकांत सेठिया व रैदू नाग, कोषाध्यक्ष रिषि सेठिया,मंत्री श्रीमती पूनम विश्वकर्मा, सुकांति गौतम, कुमबती भारती, प्रकाश नाग एवं मीडिया प्रभारी अमर गुप्ता को बनाया गया है।

दरभा मंडल में अध्यक्ष देवीप्रसाद बेंजाम, उपाध्यक्ष महेश बघेल, थलेश सेठिया, सोमारी बाई बघेल, शांति बघेल, महामंत्री नारायण कुरानी व दुर्जन सिंह कश्यप, मंत्री महादेव कवासी, सुशील त्रिपाठी, बोगेन्द्र ठाकुर, गीता बघेल,कोषाध्यक्ष तिलोतमा बघेल एव मीडिया प्रभारी जगनाथ बघेल व भीमचंद नाग बनाये गए हैं।

करपावण्ड मंडल में अध्यक्ष तरूण कुमार पाण्डे, उपाध्यक्ष रवि सिंह बघेल, दामोदर ठाकुर, मेघनाथ नाग, पुलकेश्वर पाण्डे, महामंत्री अमर देव भारती व विसम ठाकुर, मंत्री लक्ष्मनी बघेल, सत्यभामा कश्यप, मंगलू कश्यप, रतन बघेल और कोषाध्यक्ष श्रीमती नबीना दास को बनाया गया है।

सरगीपाल मंडल में अध्यक्ष पुरूषोत्तम जोशी, उपाध्यक्ष हेमकान्त ठाकुर, नीलबती भारती, रेवती पटेल, वासुदेव बघेल, महामंत्री दामोदर बघेल व संतोष बिसाई, मंत्री श्याम बघेल, परमानंद पाढ़ी घासीराम यादव,संगीता बिसाई, कोषाध्यक्ष श्रीमती कनसूला कश्यप, मीडिया प्रभारी पूरन बघेल बनाये गए हैं।

बस्तर मंडल में अध्यक्ष सुकदेव मण्डावी, उपाध्यक्ष नरेन्द्र जोशी, दयाराम बघेल, चमेली साहू, बसंती पटेल, महामंत्री चमरू राम यादव व हेमराज कश्यप, मंत्री गणेश बघेल,बंशी कश्यप, सुषमिता मिस्त्री, चम्पा दीवान, कोषाध्यक्ष नकझड़ी कश्यप,मीडिया प्रभारी संतो कश्यप,प्रिंट मीडिया प्रभारी भुवनेश्वर कुमार ठाकुर, कार्यालय प्रभारी वीर सिंह मौर्य को बनाया गया है।

नगरनार मंडल में अध्यक्ष महेन्द्र सेठिया, उपाध्यक्ष सीमांचल दास, लालाराम पटेल, मोहन सेठिया, श्रीमती सविता साहनी, महामंत्री राजेश शर्मा व मनोज पटेल, मंत्री सुरेश ठाकुर, सुनिता बेसरा, रामचन्द्र बघेल, फुलसिंह नायर, सरिता साहू, कोषाध्यक्ष श्रीमती संगीता महाराणा व कार्यालय मंत्री प्रीतम (पिंटू ठाकुर) बनाये गए हैं।

बास्तानार मंडल में अध्यक्ष पाण्डु कुहरामी, उपाध्यक्ष सनकू पदामी, भदरू पोड़ियाम, रंगबती कश्यप, ममता मण्डावी, महामंत्री मनोज सेठिया व ईश्वर मुचाकी,मंत्री जग्गू मण्डावी, फगनी करटामी, राजू वेक, सोनारू मण्डावी, कोषाध्यक्ष किरण सिंह ठाकुर, कार्यालय मंत्री कमलेश कर्मा को बनाया गया है। लोहण्डीगुड़ा मंडल में अध्यक्ष मंगतूराम कश्यप, उपाध्यक्ष नरेश खापर्डे, धनीराम बघेल, श्रीमती रंजीता जोशी, रूकमणी बघेल, महामंत्री सावेन्द्र सेठिया व चन्द्रशेखर ठाकुर, मंत्री श्रीमती तनुजा ठाकुर, लखीधर सेठिया, नीरबती भारद्वाज, तरूण पाण्डे, कोषाध्यक्ष बलीराम बघेल, कार्यालय मंत्री मोतीलाल कश्यप, कार्यालय सह मंत्री भागीरथ यादव, मीडिया प्रभारी भरत कश्यप, सह मीडिया प्रभारी शिवनन्दन पेगड़ व सोशल मीडिया प्रभारी विनय मौर्य बनाये गयें है। भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डे ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारी सदस्यों से पार्टी की रीति-नीति पर काम करते हूए संगठन को मजबूत बनाने की अपेक्षा की है।

व्यापार समाचार

भारत के पहले स्वदेशी पेट फूड ब्रांड ड्रूल्स को नेस्ले एस.ए. से निवेश हासिल हुआ, नेस्ले एस.ए. ने ड्रूल्स में अल्पांश हिस्सेदारी खरीदी

रायपुर। भारत के उपभोक्ता और पालतू देखभाल से संबन्धित इको सिस्टम के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में देश की पहली स्वदेशी पेट फूड कंपनी ड्रूल्स पेट फूड प्राइवेट लिमिटेड को नेस्ले एस.ए. (जो नेस्ले इंडिया की मूल कंपनी है) से वित्तीय निवेश प्राप्त हुआ है। इस सौदे के तहत नेस्ले एस.ए. कंपनी में अल्पांश हिस्सेदारी खरीदेगी। ड्रूल्स रणनीतिक और परिचालन रूप से स्वतंत्र बनी रहेगी। यह विकास जून 2023 में एल कैटरटन – एक प्रमुख वैश्विक उपभोक्ता-केंद्रित निजी इक्विटी फर्म – द्वारा ड्रूल्स में अल्पांश निवेश के बाद सामने आया है। 2010 में स्थापित ड्रूल्स अब भारत के पेट फूड सेक्टर में एक प्रमुख कंपनी बन चुकी है। इसके उत्पाद 40,000 से अधिक रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध हैं और 22 देशों में निर्यात किए जाते हैं। विस्तार योजनाओं के साथ, ड्रूल्स खुद को भारतीय मूल वाले एक वैश्विक पेट फूड ब्रांड के रूप में स्थापित कर रही है। हाल ही में कंपनी ने भारत की यूनिकॉर्न कंपनियों में भी जगह बना ली है – जो कि पेट केयर क्षेत्र में एक दुर्लभ और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ड्रूल्स पेट फूड प्रा. लि. के संस्थापक श्री फहीम सुल्तान ने कहा, यह हमारे करोड़ों पेट पेरेंट्स के प्यार और विश्वास तथा हमारी गुणवत्ता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा, विज्ञान-आधारित पोषण पर हमारे फोकस के साथ, ड्रूल्स नवाचार को आगे बढ़ा रहा है और बदलते हुए भारतीय पेट पेरेंट्स के साथ मजबूत जुड़ाव बना रहा है, जिससे यह भारत के पेट केयर उद्योग में अग्रणी बन रहा है। ड्रूल्स वर्तमान में छह अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयों और 16 लाख वर्ग फुट के विशाल वेयरहाउस नेटवर्क के साथ कार्य कर रहा है, जिसे 3,400 कर्मचारियों का समर्थन प्राप्त है – जिनमें 1,800 सेल्स प्रोफेशनल्स शामिल हैं। कंपनी 650+ SKUs (उत्पाद विविधताएँ) प्रदान करती है, जिसमें हाई-प्रोटीन, प्रिस्क्रिप्शन और वैल्यू-फॉर-मनी डाइट्स शामिल हैं, जो पालतू जानवरों की संपूर्ण पोषण आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ड्रूल्स भारत में कैट फूड श्रेणी में भी एक प्रमुख खिलाड़ी है और अमेज़न सहित कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर अग्रणी विक्रेता है। एल कैटरटन की पार्टनर और भारत प्रमुख अंजना ससीधरन ने कहा, ड्रूल्स ने हमारे निवेश के बाद पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय विकास हासिल किया है – यह उनकी बाज़ार में उत्कृष्टता, क्रियान्वयन और विभिन्न परिचालन पहलों का परिणाम है, जिन पर हमने प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम किया है। हमें खुशी है कि Nestlé, जो वैश्विक पेट केयर और उपभोक्ता ब्रांड्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है, अब एक अल्पांश भागीदार के रूप में हमारे साथ जुड़ रहा है।

पॉवर, जो कभी खत्म न हो: 2025 की फ्लैगशिप किलर रियलमी जीटी 7 सीरीज़ का भारत में हुआ लॉन्च

नई दिल्ली: भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रियस्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज भारत में अपनी रियलमी जीटी 7 सीरीज़पेश की। यह लॉन्च पेरिस में इसके ग्लोबल लॉन्च के साथ किया गया है। इस सीरीज़ का मुख्य आकर्षण रियलमी जीटी 7 ड्रीम एडिशन है, जोएस्टन मार्टिन फॉर्मुला वन टीम के साथ मिलकर बनाया गया है। यहएएमएफ1 के साथ को-ब्रांडिंग वाला पहला आधिकारिक स्मार्टफोन है।

रियलमी जीटी 7 सीरीज़ में अनेक अत्याधुनिक फीचर्स और परफॉर्मेंसअपग्रेड दिए गए हैं। यह भारतीय यूज़र्स के लिए फ्लैगशिप स्मार्टफोन केअनुभव को परिभाषित करने की ओर रियलमी का अब तक का सबसेसाहसी कदम है।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ''रियलमी जीटी 7सीरीज़ के साथ हम 2025 में फ्लैगशिप किलर की परिभाषा को फिर सेपरिभाषित कर रहे हैं। यह केवल सर्वोच्च विशेषताओं के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण अनुभव प्रदान करने के बारे में है, जिसमें आज केयुवाओं की पसंद के अनुरूप जबरदस्त पॉवर, इंटैलिजेंस औरक्राफ्ट्समैनशिप हो। एस्टन मार्टिन फॉर्मूला वन टीम के साथ मिलकरबनाए गए हमारे ड्रीम एडिशन से लेकर एआई प्लानर और आईस सेंसग्रेफीन कूलिंग जैसे इनोवेशंस तक हमने हर पहलू में अपनी सीमाओं कोबढ़ाया है। जीटी 7 सीरीज़ अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और प्रीमियम अनुभवपूरे जनसमूह तक पहुँचाने के हमारे सफर में एक साहसी कदम है, ताकिसभी लोग आसानी से शानदार परफॉर्मेंस प्राप्त कर सकें।'' अनुज सिद्धार्थ, डायरेक्टर, मार्केटिंग एवं कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, मीडियाटेक ने कहा, ''जीटी 7 के लिए रियलमी के साथ हमारा सहयोगफ्लैगशिप इनोवेशन को भारतीय ग्राहकों तक पहुँचाने की हमारीप्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। भारत में मीडियाटेक डायमेंसिटी 9400ई केसाथ पहले स्मार्टफोन के रूप में यह लॉन्च भारत पर केंद्रित हमारेदृष्टिकोण की एक बड़ी कामयाबी है। 4एनएम ऑल बिग कोरमीडियाटेक डायमेंसिटी 9400ई में कॉर्टेक्स एक्स4 कोर और शक्तिशालीइम्मोर्टलिस-जी720 एमसी12 जीपीयू का उपयोग

रॉबिन उथप्पा की भविष्यवाणी: इन दो टीमों को बताया फाइनलिस्ट

आईपीएल 2025 फाइनल में नहीं होगी मुंबई इंडियंस!

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गई है. पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ में अपनी जगह बना पाने में सफल हो गई है. अब सबसे बड़ा सवाल उठता है कि इन चार टीमों में से वो दो टीम कौन सी होगी, जो आईपीएल 2025 का फाइनल खेलेगी. ऐसे में भारत के पूर्व दिग्गज रॉबिन उथप्पा ने आईपीएल 2025 के फाइनल को लेकर भविष्यवाणी की है और दो टीमों के नाम बताएं हैं जो इस बार आईपीएल का फाइनल खेल सकती है. पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने मुंबई इंडियंस को फाइनलिस्ट करार नहीं दिया है. रॉबिन उथप्पा ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल 2025 का फाइनलिस्ट करार दिया है और उम्मीद जताई है कि दोनों के बीच आईपीएल2025 का फाइनल खेला जाएगा.

जियो हॉटस्टार के साथ बात करते हुए उथप्पा ने कहा आप टूर्नामेंट में सही समय पर लय चाहते हैं और प्ले-ऑफ में जाने से पहले सही तरह की प्रेरणा चाहते हैं. पंजाब ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की, लीग चरण के अंत संघर्ष करते दिखे लेकिन बाद में उन्होंने शानदार खेल दिखाकर प्लेऑफ में अपनी जगह बना ली. पंजाब की बल्लेबाजी काफी मजबूत नजर आई है. मेरे लिए, अर्शदीप सिंह ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, और यह वास्तव में पंजाब के लिए अच्छा संकेत है.इसका मतलब है कि वह एक बड़ा प्रदर्शन करने वाला है और वो महत्वपूर्ण मैचों में खेलने के लिए बेताब होंगे. मुझे पूरा यकीन है कि फाइनल **RCB** और **PBKS** के बीच होने वाला है.

उथप्पा ने ये भी माना है कि ÷जोश हेजलवुड के आने से ऋष्टक्कको बड़ा फायदा मिलेगा. मैंने शुरू से ही कहा है, मेरा मानना ??है कि फाइनल पंजाब और ऋष्टक्क के बीच होने वाला है. हेजलवुड के आने से **RCB** को फायदा होगा. हेजलवुड के पास गति है और उन्होंने अच्छी गेंदबाजी शुरू कर दी है. विराट कोहली को चेस मास्टर की भूमिका निभानी होगी, जैसा कि हम जानते हैं- 20 ओवर तक बल्लेबाजी करना होगा. जब वह ऐसा करता है, तो यह विरोधी पर दबाव आता है, खासकर डेथ ओवरों में.

उथप्पा ने अपनी बात आगे ले जाते हुए कहा, गेंदबाजों को भी आगे बढ़ने की जरूरत है.. मुझे खुशी है कि जोश हेजलवुड वापस आ गए हैं, जिससे भवनेश्वर कुमार को भी मदद मिलेगी. यश दयाल डेथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. सुयश पिछले गेम में लड़खड़ा गए, लेकिन अगर वह अनुशासित होकर गेंदबाजी करते हैं तो कमाल हो जाएगा. इसके अलावा क्रुणाल पांड्या भी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं.

कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज के पहले राउंड में वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को हराया

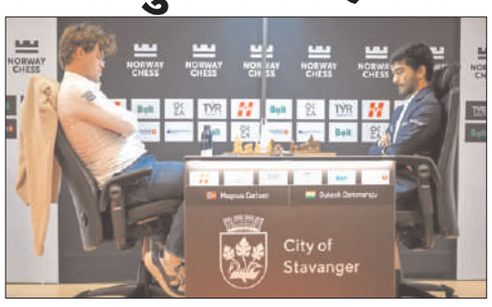

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने स्टवान्गर में नॉर्वे शतरंज के शुरुआती दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश पर शानदार जीत दर्ज की. उन्होंने चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच में सभी 3 अंक हासिल करने के लिए अपने अंतिम गेम की विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया. खेल 55 चालों के बाद समाप्त हुआ और कार्लसन ने भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा उठाकर जीत हासिल की.

कार्लसन अब अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और दुनिया के नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के साथ स्टैंडिंग में शीर्ष पर हैं, जिन्होंने अमेरिकी फैबियानो कारुआना को हराया क्योंकि दोनों खिलाड़ियों ने अपने पहले राउंड के मैचों में जीत के साथ 3 प्वाइंट्स हासिल किए हैं.

भारत के अर्जुन एरिगैसी ने चीन के नंबर 1 वेई यी को आर्मगेडन गेम में हराया, जब उनका क्लासिकल गेम ड्रॉ पर समाप्त हुआ. वेई ने इस मुकाबले में एक अंक हासिल किया, जबकि एरिगैसी ने कुल 1.5 अंक हासिल किए. टूर्नामेंट की स्कोरिंग प्रणाली में क्लासिकल फॉर्मेट में जीत के लिए 3 अंक दिए जाते हैं. ड्रॉ होने की स्थिति में, प्रत्येक खिलाड़ी को 1 अंक मिलता है और आर्मगेडन गेम में विजेता को अतिरिक्त आधा अंक दिया जाता है.

होंडा सिटी की बिक्री में गिरावट, एक कारोबारी विश्लेषण

नईदिल्ली (एजेंसी)। होंडा सिटी, भारतीय सेडान बाजार का एक प्रमुख खिलाड़ी, अप्रैल 2025 में बिक्री में 50त्न से अधिक की भारी गिरावट का सामना कर रहा है, जो सिर्फ 406 यूनिट्स तक सीमित रही। यह आंकड़ा एक चिंताजनक व्यावसायिक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जो भारतीय ऑटोमोटिव बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं की ओर इशारा करती है। पारंपरिक रूप से सेडान को पसंद करने वाले भारतीय अब अधिक स्पेस, बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस और ऊँची राइडिंग पोजीशन वाली एसयूवी की ओर रुख कर रहे हैं। यह बदलाव होंडा सिटी जैसे स्थापित मॉडलों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करता है। होंडा सिटी का मुकाबला मारुति सुजुकी सियाज, हुंडई वरना, स्कोडा स्लाविया और फॉक्सवैगन वर्टस जैसी मजबूत प्रतिस्पर्धियों से है। मारुति सियाज ने पहले ही होंडा सिटी को बिक्री में पीछे छोड़ दिया है, जो इस बात का संकेत है कि सिटी को अपनी उत्पाद रणनीति पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि होंडा सिटी की बिक्री में गिरावट का एक कारण इसकी प्रतिस्पर्धी कारों के मुकाबले कम फीचर्स और उच्च कीमत भी हो सकता है। यह दर्शाता है कि मूल्य प्रस्ताव के मामले में होंडा को अपनी पेशकशों को फिर से कैलिब्रेट करना होगा। घरेलू बिक्री में होंडा कार्स इंडिया को भी अप्रैल 2025 में 22.75त्न की गिरावट का सामना करना पड़ा, जो कंपनी के लिए एक व्यापक चुनौती है।

कंपनी ने बाजार की कमजोर स्थिति और ग्राहकों की कम मांग को इस गिरावट का कारण बताया है, साथ ही डीलरों के पास इन्वेंट्री को नियंत्रित करने के लिए डिलीवरी में भी कमी की है। यह एक जोखिम भरी रणनीति हो सकती है, क्योंकि यह संभावित खरीदारों को निराश कर सकती है। होंडा को इस बदलते बाजार परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए नवाचार और आक्रामक विपणन पर ध्यान देना होगा। नए वेरिएंट्स, अधिक आकर्षक फीचर्स, और संभावित रूप से, एक प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण रणनीति होंडा सिटी को इस सेगमेंट में फिर से स्थापित करने में मदद कर सकती है।

बजाज गोगो पी 7012 ने की शानदार शुरूआत: अप्रैल माह में बजाज ऑटो को ई-ऑटो सेगमेन्ट में पहुंचाया पहले स्थान पर

पुणे : दुनिया की जानी-मानी दोपहिया एवं तिपहिया कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड अप्रैल 2025 में भारत के इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल स्पेस में नंबर 1 पर आ गई है। कंपनी के नए लॉन्च किए गए इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर बजाज गोगो, ई-ऑटो एवं इलेक्ट्रिक 3 व्हीलर्स की ई कार्गो रेंज को मिली शानदार रिस्पॉन्स के चलते कंपनी ने यह उपलब्धि हासिल की है।

5506 युनिट्स की बिक्री के साथ बजाज ऑटो अग्रणी स्थान पर गई है, वाहन पोर्टल के मुताबिक इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर (एल5) में कंपनी का 36 फीसदी मार्केट शेयर दर्ज किया गया है।

बजाज ऑटो वित्तीय वर्ष 25 में 74 फीसदी शेयर के साथ आईसीई थ्री-व्हीलर कैटेगरी (एल5) में मार्केट लीडर रही है। कंपनी के व्यापक नेटवर्क एवं भरोसेमंद प्रोडक्ट्स के चलते ऑपरेटर्स को अच्छा मुनाफ़ा मिलता है, यही कारण है कि बजाज ऑटो के थ्री-व्हीलर्स दशकों से पसंदीदा विकल्प बने हुए हैं। बजाज ऑटो ने तकरीबन दो साल पहले इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर सेगमेन्ट में प्रवेश किया था, जब मार्केट में पहले से कुछ ह्.श्व.रू मौजूद थे। बजाज ऑटो ने एक बार फिर से रिकॉर्ड अवधि में अग्रणी पॉज़िशन हासिल की है।

इस सफलता में बजाज गोगो पी 7012 का सबसे ज़्यादा योगदान रहा हे, जो विशेष् उद्देश्य के साथ डिज़ाइन किया गया पैसेंजर इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर है। शहर की राईड हो या लंबी दूरी की यात्रा, बजाज गोगो सेगमेन्ट में सर्वश्रेष्ठ 251 किलोमीटर की रेंज देता है। इसके अलावा टू-स्पीड ऑटोमेटेड ट्रांसमिशन, फुल-मैटल बॉडी, यात्री के लिए अतिरिक्त स्पेस तथा ऑटो हाज़ार्ड, एंटी-रोल डिटेक्शन, हिल होल्ड असिस्ट जैसे फीचर्स ड्राइवर की कमाई की क्षमता बढ़ाते हैं, उसे आरादायक और आत्मविश्वास से भरपूर अनुभव प्रदान करते हैं साथ ही बैटरी पर 5 साल की वारंटी और प्रीमियम टेकपैक के विकल्प, रिमोट इम्मोबिलाइज़ेशन एवं रिवर्स असिस्ट जैसे फीचर्स बजाज गोगो को न सिर्फ भरोसेमंद बल्कि स्मार्ट, प्रभावी और टिकाऊ भी बनाते हैं।

इस अवसर पर श्री समरदीप सुबंध, प्रेज़ीडेन्ट- इंटरासिटी बिज़नेस युनिट, बजाज ऑटो लिमिटेड ने कहा, ''लॉन्च के दो महीनों के भीतर बजाज गोगो ने ईवी कमर्शियल स्पेस में हमारे मार्केट शेयर को 36 फीसदी तक तथा पैसेंजर सेगमेन्ट में उद्योग जगत में अग्रणी 39 फीसदी के आंकड़े पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि बजाज गोगो के बेजोड़ फीचर्स तथा पिछले सालों के दौरान बजाजा ऑटो द्वारा निर्मित भरोसे एवं विश्वसनीयता की पुष्टि करती है।

50 पैसे के इस शेयर ने किया कमाल, निवेशकों को दिया 715 प्रतिशत का तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नंदन डेनिम्स लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान निवेशकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने रहे। कंपनी ने मार्च 2025 (क्त्रस्नङ्ग25) तिमाही के लिए मजबूत रेवेन्यू ग्रोथ दर्ज की, जिसके चलते इंट्रा-डे ट्रेडिंग में शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए। दोपहर 1 बजे के करीब कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 4.09 रुपए पर कारोबार कर रहा था। सोमवार के कारोबार में यह पेनी स्टॉक 4.2 प्रतिशत तक बढ़कर 4.19 रुपए के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, इस तेजी के बावजूद यह शेयर अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 7.33 रुपए से 43 प्रतिशत नीचे है, जो इसने सितंबर 2024 में छुआ था। शेयर ने मार्च 2025 में 2.96 रुपए का 52-सप्ताह का निचला स्तर भी देखा था। मई 2020 में शेयर की कीमत महज 50 पैसे थी। पिछले एक साल में इस शेयर ने 5 प्रतिशत का मामूली रिटर्न दिया है। दो साल में शेयर में 92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि पांच साल में इसने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है, जो 755 प्रतिशत तक बढ़ गया है और निवेशकों के लिए एक शानदार निवेश साबित हुआ है। मई में अब तक शेयर में 13 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि अप्रैल में 3.7 प्रतिशत और मार्च में 11.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। इस तेजी से पहले, शेयर दबाव में था और अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक लगातार पांच महीनों तक इसमें गिरावट आई थी। मार्च 2025 तिमाही के लिए कंपनी की बिक्री में 81 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले साल की समान तिमाही के 579.12 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 1,048.65 करोड़ रुपए हो गई। यह मजबूत वृद्धि कंपनी की बढ़ती बाजार उपस्थिति और भारत तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके डेनिम उत्पादों की मजबूत मांग को दर्शाती है।

जनरेशन जीके नवाचार को मिला मंच: सैमसंग इंडिया ने लॉन्च किया 'सॉल्व फॉर टूमॉरो 2025', 1 करोड़ रुपए तक का अनुदान

भिलाई। भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (सीएसआर) पहल 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के चौथे संस्करण की शुरुआत कर दी है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य देशभर के युवाओं को प्रौद्योगिकी के ज़रिए सामाजिक चुनौतियों का हल खोजने के लिए प्रेरित करना है।

14 से 22 वर्ष के छात्रों के लिए खुली इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 जून 2025 रखी गई है। चुनी गई टॉप चार टीमों को उनके नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी दिल्ली में इंक्यूबेशन सपोर्ट के साथ कुल एक करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा, टॉप 40 टीमों को 8 लाख और टॉप 20 टीमों को 20 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। प्रतिभागियों को 82,000 घंटे का विशेष प्रशिक्षण और मेंटरशिप भी दी जाएगी।

इस साल के प्रतिभागियों को चार महत्व पूर्ण थीमों पर समाधान बनाने के लिये प्रोत्सानहित किया जा रहा है: अधिक सुरक्षित, स्मातर्ट एवं समावेशी भारत के लिये एआई; भारत में स्वा स्य्है , आरोग्य3 तथा तंदुरुस्ती का भविष्य ; शिक्षा और बेहतर भविष्यए के लिये खेलों तथा तकनीकी के माध्यसम से सामाजिक बदलाव; और टेक्नो लॉजी के जरिये पर्यावरण की स्थिरता।

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के ज़रिए हम भारत के हर कोने के युवा इनोवेटर्स को बड़े सपने देखने, असल ज़िंदगी की चुनौतियों से निपटने और तकनीक के ज़रिए एक स्मार्ट और समावेशी भविष्य गढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस साल की प्रतियोगिता और भी बड़ी और व्यापक होगी। हम ज़्यादा शहरों में पहुंच रहे हैं, ज़्यादा स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को जोड़ रहे हैं और उन्हें डिज़ाइन थिंकिंग के सिद्धांतों पर आधारित नवाचार का अवसर दे रहे हैं। यह पहल भारत सरकार की अग्रणी #DigitalIndia योजना के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो युवाओं को भविष्य का निर्माणकर्ता बनने के लिए सशक्त करती है।

आईआईटी दिल्लीन के निदेशक प्रो. रंगन बेनर्जी ने कहा, आईआईटी दिल्लीह को युवाओं के बीच नवाचार, उद्यमिता और व्यावहारिक समस्याओं के समाधान की क्षमता को बढ़ावा देने में गर्व महसूस होता है। सैमसंग 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के साथ हमारी साझेदारी के ज़रिए हम युवा प्रतिभाओं को मेंटरशिप, शोध के लिए अत्याधुनिक संसाधन और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, ताकि वे अपने विचारों को ऐसे उत्पादों में बदल सकें जो समाज पर सकारात्मक असर डालें। हमें इस पहल का हिस्सा बनकर खुशी है, जो सामाजिक रूप से जागरूक नवाचार को बढ़ावा देती है और 'विकसित भारत' के निर्माण में अहम योगदान करती है।

भारत में संयुक्ता राष्ट्रत के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर शोम्बीन शार्प ने कहा, भारत के युवा इनोवेटर्स 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और 2047 तक 'विकसित भारत' के विज़न को साकार करने की दिशा में सबसे बड़ी ताकत हैं। दुनिया में सबसे अधिक युवा प्रतिभाओं के साथ, भारत उन विचारों के ज़रिए नेतृत्व करने की विशेष स्थिति में है जो न सिर्फ स्थानीय समस्याओं का समाधान देते हैं, बल्कि वैश्विक बदलाव की प्रेरणा भी बनते हैं।सैमसंग की 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' जैसी पहलें युवाओं को तकनीक की मदद से अपने विचारों को वैश्विक भलाई के लिए व्यावहारिक समाधानों में बदलने का मंच देती हैं। संयुक्त राष्ट्र भारत में ऐसे सार्वजनिक-निजी सहयोगों को समर्थन देने पर गर्व महसूस करता है, जो युवाओं की नेतृत्व क्षमता, नवाचार और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं—इस विश्वास के साथ कि विकास की इस यात्रा में कोई पीछे न रह जाए।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा, आज की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौतियों का समाधान युवाओं के हाथ में है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 29 मई 2025

रायपुर जिले में कुल 389 विद्यालयों का होगा युक्तियुक्तकरण

रायपुर (विसं)। शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले के स्कूलो का युक्तियुक्तकरण किया गया है। इसके अनुसार रायपुर जिले में कुल 389 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किया गया है। इनमें एक ही परिसर के विद्यालय जिनमें शिक्षा विभाग के 384 आदिवासी विकास विभाग के 1 स्कूल और ग्रामीण क्षेत्र के 1 किमी के भीतर विद्यालय जिनमें एजुकेशन विभाग के 1 स्कूल और शहरी क्षेत्र में 500 मीटर के भीतर के विद्यालय में शिक्षा विभाग के 3 विद्यालय शामिल है, जिनका युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि युक्तियुक्तकरण का उद्देश्य मानव भौतिक संसाधन का सही उपयोग करना और संतुलन बनाए रखना है। इससे सभी स्कूलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों का अनुपात सही होगा और गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा प्रदान करने में सहयोग मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

गोल बाजार महाव्यापारी संघ द्वारा चेंबर के नए कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी का स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। गोल बाजार व्यापारी संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष धनराज जैने महामंत्री में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी और चेंबर अध्यक्ष सतीश thornai का आभार व्यक्त किया मालवीय रोड व्यापारी संघ के महामंत्री एवं गोल बाजार व्यापारी महासंघ के प्रमुख सलाहकार को चैंबर ऑफ़ कॉमर्स में कार्यकारीअध्यक्ष पद की नियुक्ति दे कर गोल बाजार को चेंबर के प्रमुख पद पर दायित्व दिया जिसका गोल बाजार महा व्यापारी संघ आभार व्यक्त ककरता है। राजेश वासवानी जी ने हमेशा गोल बाजार के मुद्दों का शासन प्रशासन से मिलकर सेतु का कार्य करने में सहयोग किया है और वह हमेशा व्यापारियों के लिए गोल बाजार व्यापारी संघ के लिए खड़े रहते हैं हम राजेश् वासवानी का स्वागत से करते हे उन्हें बधाई देते देते है। बधाई देने वाले में आज अध्यक्ष धनराज जैन, कार्यकारी अध्यक्ष अजय देवगान, परवेज शुकीलुदीन कोषाध्यक्ष विवेक गुप्ता रत्नेश गुप्ता बंशी माखीजा खान साहिब सुरेश जादवानी भरत प्रधाननी विवेक प्रधाननी शमिल थे।

कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव 6 से 8 जून तक आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 6, 7 एवं

8 जून को कृषि महाविद्यालय परिसर रायपुर में ''फलों के राजा'' आम के राष्ट्रीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 200 से अधिक किस्मों एवं आम से बने 56 व्यंजनों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में आम की विभिन्न किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसमें छत्तीसगढ़ एवं देश के विभिन्न राज्यों के आम उत्पादक शामिल होंगे। अवसर पर आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिता भी आयोजित है। आम की सजावट प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है जिसमें विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन भी पंजीयन कर भागीदारी कर सकते है। इस महोत्सव में पंजीयन एवं प्रवेश पूर्णतया नि:शुल्क है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रतियोगी भी सहभागी हो सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर महापौर द्वारा 'रेड डॉट' अभियान का पोस्टर विमोचन कर शुभारंभ

महापौर मीनल चौबे ने कहा- देश में स्वच्छता के सारथी हैं प्रधानमंत्री मोदी जी

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर निगम रायपुर द्वारा बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर 'रेड डॉट' अभियान की शुरुआत की गई। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अभियान का पोस्टर विमोचन कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर निगम मुख्यालय के महात्मा गांधी सदन के सभा कक्ष में 'मासिक धर्म स्वच्छता एवं सेनेटरी अपशिष्ट का पृथक्करण के प्रति जागरुकता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से सभी प्रतिभागी लाल रंग की साड़ी एवं सूट पहनकर आईं। रेड डॉट अभियान के अंतर्गत निगम द्वारा वर्ष भर विभिन्न स्वच्छता जागरुकता संबंधी गतिविधियां एवं आयोजन किए जाएंगे।

महापौर मीनल चौबे ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। मोदी जी देश में स्वच्छता अभियान के सारथी हैं। आज स्वच्छता की जागरुकता जन-जन तक पहुंच रही है। एक दौर था जब महावारी के बारे में बात करने से हिचक होती थी लेकिन आज स्वच्छ भारत अभियान से सेनेटरी अपशिष्ट के निपटान पर भी बात हो रही है। महापौर ने कार्यशाला में उपस्थित एमआईसी सदस्यों, पार्षदों, अधिकारियों, विशेषज्ञों, स्वच्छता दीदीयों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से अपील की कि वे सेनेटरी पैड के निपटान की जागरुकता जन-जन तक पहुंचाएं। ताकि रायपुर को सफाई व सुंदरता में अग्रणी बनाकर स्वच्छता रैंकिंग में अव्वल स्थान प्राप्त किया जा सके। कार्यशाला में एमआईसी सदस्य (स्वास्थ्य) श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर ने कहा कि सेनेटरी अपशिष्ट को सामान्य कचरे से अलग रखें। पीले रंग के बैग या विशेष डिब्बों में इनका संग्रहण किया जाए। जब हम मासिक धर्म स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को गंभीरता से लेंगे, तभी हम स्वस्थ, स्वच्छ और जागरूक समाज की ओर बढ़ पाएंगे। कार्यशाला के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका पाठक ने कहा कि महावारी कोई अशुद्धि नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। महावारी के दौरान स्वच्छता के साथ, संतुलित व पौष्टिक आहार के साथ हल्के व्यायाम का ध्यान भी रखना चाहिए।

एचएसआरपी नम्बर प्लेट शिविर रवि भवन में हुआ सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने बताया कि कैट, रविभवन व्यापारी संघ एवं क्षेत्रिय परिवहन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में एचएसआरपी नम्बर प्लेट शिविर रवि भवन में सम्पन्न हुआ। शिविर में क्षेत्रिय परिवहन अधिकारी श्री आशीष देवांगन एवं सहायक क्षेत्रिय परिवहन अधिकारी श्री प्रतीक शुक्ला एवं राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी उपस्थित रहे। क्षेत्रिय परिवहन अधिकारी श्री आशीष देवांगन ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के परिवहन विभाग ने वाहन पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगवाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए विभाग ने किसी भी प्रकार की बिचौलिया व्यवस्था या धोखाधड़ी से बचाव के लिए विभिन्न शिविरों के माध्यम से आम जनों को एचएसआरपी नंबर प्लेट की जानकारी देते हुए उनके आवेदन लेकर निर्धारित शुल्क सहित नंबर प्लेट लगाई जा रही है।

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) रायपुर

डिप्लोमा में प्रवेश के लिए 01 जून तक कर सकते हैं आवेदन

प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए क्युआर कोड स्कैन

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) अध्ययन, शोध, विकास एवं औद्योगिक तकनीक उन्नयन के क्षेत्र में एक अद्वितीय संस्थान हैं। रसायन व उर्वरक मंत्रालय एवं रसायन व पेट्रोरसायन विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत सम्पूर्ण देश में संस्थान विशिष्टता से संचालित है। छत्तीसगढ राज्य में सिपेट के दो केन्द्र स्थापित हैं, जिसमें राजधानी रायपुर और ऊर्जा राजधानी कोरबा सम्मिलित हैं। रायपुर में प्लॉट नं. 48, औद्योगिक क्षेत्र भनपुरी तथा कोरबा में स्याहीमुड़ी ग्राम के एजुकेशन हब में स्थित है। सिपेट में AICTE द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (PGD-PPT, पाठ्यक्रम अवधि- 2 वर्ष), डिप्लोमा इन प्लास्टिक मोल्ड टेक्नोलॉजी (DPMT पाठ्यक्रम अवधि- 3 वर्ष), तथा डिप्लोमा इन प्लास्टिक टेक्नोलॉजी (DPT पाठ्यक्रम अवधि-3 वर्ष) हेतु सिपेट प्रवेश परीक्षा (CIPET ADMISSION TEST- 2025) के द्वारा प्रवेश प्रारंभ है। इनमें प्रवेश हेतु दिनांक 09.06.2025 को ऑनलाईन परीक्षा आयोजित होगी। प्रवेशार्थी ऑनलाईन आवेदन https://cipetwz.onlineregistrationform.org/CIPET/ वेबसाइट के माध्यम से कर सकते है। सिपेट में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। पूर्व में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29.05.2025 थी।

अब डिप्लोमा एवं पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए इच्छुक 10वी उत्तीर्ण छात्र DPMT / DPT एवं B.Sc. उत्तीर्ण छात्र PGDPPT पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दिनांक 01.06.2025 तक ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए www.cipet.gov.in पर सम्पर्क करें।

एनटीपीसी नवा रायपुर में रक्तदान शिविर आयोजित, 108 लोगों ने रक्तदान किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रक्तदान शिविर का आयोजन 26 मई, 2025 को एनटीपीसी नवा रायपुर में किया गया, जहां 108 लोगों ने रक्तदान किया। एनटीपीसी नवा रायपुर की अर्पिता महिला समिति द्वारा एक Noble पहल के रूप में, इस कैंप का संयुक्त रूप से आयोजन एनटीपीसी नवा रायपुर और नारायणा हेल्थ एमएमआई, रायपुर द्वारा किया गया।

शिविर को 108 कर्मचारियों और सहयोगियों का शानदार रिस्पांस मिला, जिसमें 08 महिलाएं भी शामिल थीं। शिविर का उद्घाटन करते हुए, पी के मिश्रा, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पश्चिमी क्षेत्र-II और नए पहल), एनटीपीसी ने अर्पिता महिला समिति की इस शुभ पहल की सराहना की और रक्तदान शिविर के महत्व को रेखांकित किया। इस प्रकार का शिविर न केवल स्वैच्छिक रक्तदान की भावना को बढ़ावा देता है बल्कि रक्तदान करने और जरूरतमंद मरीजों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं में योगदान देने के महत्व के बारे में जागरूकता भी उत्पन्न करता है, श्री मिश्रा ने कहा।

श्री मिश्रा; श्रीमती आयशा मिश्रा, अर्पिता महिला समिति की अध्यक्ष; ए के मनोहर, कार्यकारी निदेशक (संचालन सेवाएँ); ए के शुक्ला, कार्यकारी निदेशक (नए पहल) ने रक्तदान कर उदाहरण पेश किया, जिसमें कर्मचारियों और सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया।

स्टार्टअप और निजी क्षेत्र में अवसरों के लिए तैयार होते युवा, ग्राम सकरी में ग्राफिक डिजाइन स्किल वर्कशॉप सफलतापूर्वक सम्पन्न

सकरी (विश्व परिवार)। आज के बदलते दौर में जहाँ सरकारी नौकरी का इंतज़ार एक लंबी प्रक्रिया बन चुकी है, वहीं युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार और स्वयं का स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रेरित करना समय की मांग बन गया है। इसी सोच के साथ कबीर आश्रम, सकरी में एक दिवसीय ग्राफिक डिजाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो न केवल एक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम था, बल्कि युवाओं के लिए करियर गाइडेंस का भी सशक्त माध्यम बना। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को डिजिटल दुनिया से जोड़ते हुए उन्हें ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे आधुनिक कौशल से लैस करना था, जिससे वे पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान हासिल कर अपने भविष्य को एक नई दिशा दे सकें।

कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम सरपंच श्री पीतांबर साहू एवं इलाहाबाद से पधारे श्री देवेंद्र साहब जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यशाला में तकनीकी मार्गदर्शन एमीआर्ट एकेडमी के संचालक श्री अमित साहू, श्री ओम साहू एवं जस्ट थिंक मल्टीमीडिया के संचालक द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने Adobe Photoshop, Illustrator, Premiere Pro, After Effects, Corel Draw जैसे प्रमुख सॉफ्टवेयर के व्यावहारिक उपयोग, डिज़ाइन सिद्धांतों और रचनात्मक सोच पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं ने प्रैक्टिकल सेशन्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया और लाइव डिजाइनिंग का अनुभव प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को लेकर गहरा उत्साह और सीखने की प्रबल जिज्ञासा दिखाई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर पूर्व सरपंच श्री नारायण प्रसाद साहू विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने इस प्रकार की कौशल विकास एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाली कार्यशालाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संकल्पना एवं रूपरेखा राहुल साहू, राजीव, विनोद एवं विनय द्वारा तैयार की गई थी। आयोजन की जिम्मेदारी AISECT कंप्यूटर सेंटर के निदेशक श्री दिनेश साहू एवं VK फोटो स्टूडियो के श्री विजय धिवर ने सफलतापूर्वक निभाई।

मेट्स विश्वविद्यालय द्वारा स्मार्ट जल, सशक्त गाँव जागरूकता कार्यक्रम

ग्रामीण समुदायों को जल सुरक्षा हेतु सशक्त बनाने का कार्य कर रहा

आरंग/रायपुर (विश्व परिवार)। मेट्स स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी (MSEIT), आरंग, मेट्स विश्वविद्यालय, (NAAC द्वारा मान्यता प्राप्त A+ ग्रेड, मध्य भारत) द्वारा ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ के सहयोग से स्मार्ट जल, सशक्त गाँव : जल सुरक्षित भविष्य के लिए ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन अमेठी ग्राम, आरंग में किया गया।

इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों, छात्रों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डॉ. आशा अम्भाईकर, निर्देशक, MSEIT ने कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच कामेश्वरी बानो एवं ग्राम पंचायत के सदस्यों के साथ किया गया। अमिताभ दुबे, प्रदेश अध्यक्ष, ग्रीन आर्मी, बबीता गांगने, प्रदेश समन्वयक, एवं महानिर्देशक प्रियेश पगारिया ने जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास पर अपने विचार साझा किए। गजराज पगारिया, कुलाधिपति, मेट्स विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपनाए गए गाँवों के लिए भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. के. पी. यादव, कुलपति, ने जल प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि कुलसचिव गोकुलानंद पांडा ने जल संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया।

कुम्हारी टोल प्लाजा अविलंब बंद हो, जनता से वसूली गई रकम कंपनी से वसूली जाए

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस नेताओं ने मोदी सरकार और एनएचएआई से मांग की है कि कुम्हारों टोल प्लाजा को अविलंब बंद किया जाए। अवैध वसूली की उच्च स्तरीय जांच की जाए। स्थानीय नागरिकों को यातायात जाम और दुर्घटनाओं से राहत दिलाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्थानीय नागरिकों से नियम विरुद्ध फास्ट्रैक कैमरा लगा कर, अवैध वसूली की जा रही है इस प्रकरण में कंपनी से जनता से वसूली गई रकम वसूली जाए।

यह मांग कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज शर्मा और कन्हैया अग्रवाल ने कांग्रेस भवन में पत्रकारवार्ता लेकर कही। इन्होंने कहा कि लंबे समय से रायपुर और दुर्ग के बीच संचालित कुम्हारो टोल नाके की अनियमिताएँ एवं अवैध वसूली के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोला हुआ है इस संबंध में चरणबद्ध आंदोलन कर अवैध वसूली को रोकने की मांग समय-समय पर की गई है, लेकिन अब तक इस मामले में ना ही राज्य सरकार ने कोई सार्थक कदम उठाया है ना ही केंद्र इस अवैध वसूली को लेकर गंभीर है, पूरे प्रकरण में आज कांग्रेस नेता पूर्व विधायक विकास उपाध्याय एवं जिला अध्यक्ष गिरीश दुबे के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज शर्मा एवं कन्हैया अग्रवाल ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टोल की अवैध वसूलों के तथ्य मीडिया कर्मियों के सामने रखें।रायपुर से दुर्ग के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-53 (पूर्व हH-6) पर संचालित कुम्हारी टोल प्लाजा को लेकर जन आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। केवल 54 किलोमीटर की दूरी में तीन टील प्लाजा मंदिर हसौद (किमी 258), कुम्हारी (किमी 281), और दुर्ग (किमी 312) संचालित हो रहे हैं, जो भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसमें दो टोल प्लाजा के बीच कम से कम 60 किलोमीटर की दूरी अनिवार्य की गई है। सबसे विवादास्पद स्थिति कुम्हारी टोल प्लाजा को लेकर है, जिसकी वैधानिक वसूली अवधि समाप्त हो चुकी है, फिर भी यह 20 से 25 वर्षों से अवैध रूप से संचालित हो रहा है। स्थानीय निवासियों, खासकर रायपुर के टाटीबंध और कुम्हारी नगर निगम क्षेत्र के लोगों को प्रतिदिन भीषण ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। कई बार 1 से 2 घंटे तक यात्री जाम में फंसे रहते हैं।

जनप्रतिनिधियों द्वारा इस मुद्दे को कई बार केंद्र सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समक्ष उठाया गया है। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर इस टोल प्लाजा को अविलंब बंद करने की मांग पहले ही की थी पर सरकार इस मामले में गंभीर नहीं है और टोल वसूली जारी है वैसे तो नियमानुसार जब टॉल वसूली को निर्धारित लागत वर्षों पहले ही वसूल की जा चुकी है, ती इस टोल प्लाजा का संचालन पूरी तरह से अवैध और जनविरोधी है।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो वे चरणबद्ध आंदोलन चलाएंगे और आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली तक विरोध प्रदर्शन करेंगे।

युक्तियुक्तकरण के विरोध में शिक्षकों ने किया मंत्रालय का घेराव

43 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद हो सकते हैं खत्म

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षक और बच्चों की संख्या अनुपात को राष्ट्रीय शिक्षा नीति व शिक्षा के अधिकार के तहत करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।इसी बीच युक्तियुक्तकरण के विरोध में शिक्षकों ने बड़ा प्रदर्शन किया। सर्व शिक्षक संघ छत्तीसगढ़ के बैनर तले प्रदर्शन जारी है। तूता धरनास्थल में सैंकड़ों की संख्या में शिक्षक जुटे। बता दें कि मंगलवार को स्कूल शिक्षा विभाग ने 10463 स्कूलों के लिए आदेश जारी कर दिया। इसमें ई-संवर्ग के 5849 और टी-संवर्ग के 4614 स्कूल शामिल हैं। सबसे अधिक एक ही परिसर में संचालित होने वाले प्राइमरी, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल और हायर स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किया गया है। एक ही परिसर के संचालित विभिन्न माध्यमों के 10297 स्कूलों को एकसाथ समायोजित कर दिया गया है।शिक्षक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। राज्योत्सव मैदान के पास पुलिस ने शिक्षकों को रोका। पुलिस और शिक्षकों के बीच झूमाझटकी हुई।

शंकर साहू प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शिक्षक साझा मंच ने कहा कि पूरे प्रदेश में अतिशेष शिक्षक हैं। इनके लिए नियुक्ति निकाली गई है। अतिशेष शिक्षकों को शाला विहीन और एकल शिक्षक स्कूलों में भेजा जाए। हमारी मांग यही है कि 2008 के सेटअप से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं किया जाए। उसके बाद सरकार यदि युक्तियुक्तकरण करती है। शिक्षक संघ उसका विशेष विरोध नहीं कर रहा है। यदि 2008 के सेटअप से छेड़छाड़ की जाएगी। तो हम पूरे प्रदेश के शिक्षक आंदोलन करेंगे। हम भी चाहते हैं सरकार हमसे बातचीत करें और बीच का रास्ता निकाले। यदि सरकार उचित निर्णय लेती तो हम एक बड़े आंदोलन के रूपरेखा हम तैयार कर रहे हैं। छत्तीसगढ शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष केदार जैन ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जो गलतियां की हैं,उन गलतियों को छुपाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री को गलत जानकारी दे रहे हैं। प्रदेश के शिक्षक इस प्रक्रिया का विरोध नहीं कर रहे हैं। जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। वहां जो शिक्षक हैं उनको वहां पर भेजा जाए इसका हम लोग विरोध नहीं कर रहे हैं। हम चाहते हैं 2008 का सेटअप यथावत रखा जाए। सरकार 40 हजार पदों को समाप्त करना चाह रही है। 10 हजार से ज्यादा स्कूलों को मर्ज करके 10 हजार प्रधान पाठकों को समाप्त करना चाह रही है। इसका पूरे प्रदेश के शिक्षक विरोध कर रहे हैं।

हड़ताल में बैठे सफाई कर्मियों को अरुण वोरा का मिला समर्थन

दुर्ग (विसं)। नगर पालिक निगम दुर्ग के सफाई कर्मियों की हड़ताल ने शहर की सफाई व्यवस्था को पूरी तरह ठप कर दिया है। बीते 7 दिनों से प्लेसमेंट और मिशन क्लीन सिटी वर्कर अपनी ज्वलंत मांगों को लेकर निगम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे हैं। अब पूरे दुर्ग शहर में चरमराई हुई सफाई व्यवस्था से जनता परेशान है, लेकिन निगम प्रशासन अब तक मौन है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक अरुण वोरा ने स्वयं धरना स्थल पहुँचकर कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया. धरना स्थल से निगम प्रशासन और जिला प्रशासन को कड़ा संदेश देते हुए वोरा ने कहा कि सफाई कर्मी शहर व्यवस्था को व्यवस्थित करने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी मांगों को किसी भी कीमत पर अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354